www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम

अधिकतम तापमान 28.c

27.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 102.705g

चांदी 113,000kg

2 ट्रंप रूपी आपदा को अवसर में बदलें, टैरिफ से निपटने के लिए उठाने होंगे बड़े कदम

आवारा पशुओं से ग्रामीणों को मुसीबत 04

वर्ष :09 | अंक :72 | मुंबई , मंगलवार ,02 सितम्बर 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बिहार के सात जिलों में चलाई जा रही है पान विकास योजना

बिहार सरकार अपने कृषि रोड मैप के जरिए विविध प्रकार की फसलों की खेती को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए अनुदान भी दिए जा रहे हैं ताकि किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। इसी कड़ी में बिहार सरकार के कृषि विभाग ने पान विकास योजना की शुरूआत की है। विभाग इस योजना के तहत पान की खेती करने वाले किसानों को भारी अनुदान भी दे रहा है। योजना का लाभ उठाकर किसान अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। इस योजना के तहत दी जा रही अनुदान राशि खेती के क्षेत्र पर निर्भर करती है, जो न्यूनतम 100 वर्गमीटर (0.01 हेक्टेयर) से लेकर अधिकतम 300 वर्गमीटर तक हो सकती है। किसानों को प्रति खेती के लिए 11,750 रुपये से 35,250 रुपये तक का अनुदान मिलता है। यह राशि 50% अनुदान के रूप में दी जाती है, जहां कुल लागत 70,500 रुपये प्रति 300 वर्गमीटर निर्धारित की गई है। इससे छोटे और सीमांत किसान भी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2025-26 के लिए भी है। वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 के लिए कुल 491.385 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है।

दिल्ली में बाढ़ का अलर्ट, हथिनीकुंड से पानी छोड़ने के बाद यमुना खतरे के निशान पर

दिल्ली सरकार ने बाढ़ की चेतावनी जारी की है। सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जाने की आशंका है। अधिकारियों को निचले इलाकों में गश्त के साथ-साथ कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया है कि चूँकि ओआरबी (दिल्ली ओल्ड रेलवे ब्रिज) का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर सकता है और 206.50 मीटर से अधिक होने की संभावना है, इसलिए जल्द ही केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की एक सलाह जारी होने की उम्मीद है। इसलिए, सभी सेक्टर अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखें और संवेदनशील स्थानों पर आवश्यक कार्रवाई करें, जैसे कि नदी के तटबंधों के भीतर रहने वाले लोगों को चेतावनी दी जाए और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए,₹ दिल्ली सरकार के एक आदेश में कहा गया है। बयान में कहा गया है कि पुलिस और वन एवं वन भूमि संरक्षण विभाग के कर्मचारी दाएं और बाएं सीमांत तटबंधों पर गश्त करेंगे और आवश्यकतानुसार संवेदनशील बिंदुओं, नियामकों/पंपों आदि पर चौबीसों घंटे निगरानी रखेंगे। गुरुवार को दिल्ली के मयूर विहार में बाढ़ राहत शिविर स्थापित किया गया।

महात्मा गांधी की हत्या करने वाले, अब संविधान का गला घोंटना चाहते हैं:राहुल गांधी

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि माधवपुरा में एटम बम दिखाया था. बिहार में हाइड्रोजन बम दिखाएंगे.

वोटर अधिकार यात्रा

यह क्रांतिकारी प्रदेश है. यहां से मैसेज दिया गया, वोट चोरी नहीं होने देंगे. आने वाले समय में हाइड्रोजन बम के बाद मोदी जी अपना चेहरा इस देश को नहीं दिखा पाएंगे:राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

एजेंसी

पटना। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आज पटना में वोटर अधिकार यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि अभी तक हुआ वोट चोरी का खुलासा तो एटम बम था अब आगे जिस खुलासे को उनकी पार्टी सामने लाने वाली है वह हाइड्रोजन बम होगा जिसके बाद चुनाव आयोग और भाजपा मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी। राहुल गांधी ने बिहार में सोमवार को समाप्त हुई वोटर अधिकार यात्रा के समापन समारोह में कहा कि महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के गठबंधन को जीत मिली थी लेकिन चार महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन ने उन्हें बुरी तरह हरा दिया। उन्होंने कहा कि ताज्जुब की बात थी कि कांग्रेस गठबंधन के वोट कम नहीं हुए थे लेकिन विपक्षी गठबंधन के वोट काफी बढ़ गए थे। उन्होंने कहा कि बाद में उनकी पार्टी ने जांच की तो पता चला कि महाराष्ट्र में करोड़ों फर्जी वोट भाजपा और चुनाव आयोग कि मिलीभगत से जोड़े गए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा ही बेंगलुरु सेंट्रल की एक विधानसभा सीट पर हुआ और हमारी तरफ से जांच की गई तो पता चला कि एक लाख फर्जी वोट जोड़े गए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसके बाद जब बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 65 लाख वोट काट लिए गए तो चुनाव आयोग की चोरी जगजाहिर हो गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों की वोटर अधिकार यात्रा का जन्म यहीं से हुआ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जिन शक्तियों ने महात्मा गांधी की हत्या की थी वही अब बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के संविधान की हत्या करना चाहते हैं।

वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुए झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, लोगों से की संविधान और देश बचाने की अपील

पटना: झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन बिहार में चल रही राहुल गांधी-तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होने पटना पहुंचे. जहां वे यात्रा में शामिल हुए. पटना एयरपोर्ट पहुंचने के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी. सीएम हेमंत सोरेन ने अपना संबोधन झारखंडी जोहार से शुरूआत की. उन्होंने कहा कि मैं आपसे अपील करने आया हूं कि यह वोट किसी पार्टी का वोट नहीं है, यह देश का वोट है. इसी वोट से देश और संविधान को बचाया और तोड़ा जाता है.

'बिहार से विक्ट्री और गुजरात में फैक्ट्री.. अब ये नहीं चलेगा', पीएम मोदी पर भड़के तेजस्वी यादव

पटना: कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ इंडिया गठबंधन की 'वोटर अधिकार यात्रा' का आज समापन हो गया है. आखिरी दिन पटना के गांधी मैदान में सभा को संबोधित करते हुए बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार पर हमला बोला. नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बिहार की धरती लोकतंत्र की जननी है लेकिन दो लोग चाहते है कि यहां से लोकतंत्र को खत्म कर दिया जाए. वहीं गुजरात के विकास के बहाने पर भी पीएम पर तंज कसा. 'बिहार से विक्ट्री और गुजरात में फैक्ट्री': नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने लोकसभा चुनावों में बिहार की जनता ने बीजेपी और पीएम मोदी को वोट दिया लेकिन उन्होंने बिहार के लिए कुछ नहीं किया. आरजेडी नेता ने कहा कि मोदी जी वोट तो बिहार से चाहते हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन और जापान की अपनी यात्रा खत्म कर दिल्ली पहुंचे

आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का आह्वान

एससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के विरपोषण और कट्टरपंथ के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का आह्वान किया. हाल ही में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले का उल्लेख करते हुए, उन्होंने समूह से उन देशों को जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया जो सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं और उसका समर्थन करते हैं. उन्होंने किर्गिस्तान को एससीओ की अध्यक्षता ग्रहण करने पर बधाई भी दी.

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को चीन और जापान की यात्रा के बाद भारत पहुंच चुके हैं. उन्होंने जापान में 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया थ, जबकि चीन में वह शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लिया था. इस दौरान उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं. इससे पहले पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, चीन की एक सफल यात्रा का समाप्त, जहां मैंने एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लिया और विभिन्न विश्व नेताओं के साथ बातचीत की. साथ ही प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर भारत के रुख पर जोर दिया. इस शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग, चीनी सरकार और लोगों का आभार.राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, जहां दोनों नेताओं ने अक्टूबर 2024 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान कजान में हुई अपनी बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति और निरंतर प्रगति का स्वागत किया. दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि विकास साझेदार हैं और इस बात पर सहमत हुए कि मतभेदों को विवादों में नहीं बदलने देना चाहिए.

शिखर सम्मेलन में कई मुद्दों पर चर्चा

शिखर सम्मेलन में एससीओ विकास रणनीति, वैश्विक शासन में सुधार, काउंटर टेररिज्म, शांति और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय सहयोग, और सतत विकास पर व्यापक चर्चा हुई. अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ ढांचे के तहत सहयोग को मजबूत करने के भारत के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और तीन प्रमुख स्तंभों - सुरक्षा, संपर्क और अवसर - पर एक्शन का जोर दिया.

संस्थाओं के सुचारु संचालन, विवादों को कम करने और पारदर्शिता बढ़ाने को शीघ्र लागू होगा नया सोसाइटी पंजीकरण एक्ट: मुख्यमंत्री

सदस्यता, प्रबंधन और चुनाव विवादों के त्वरित निस्तारण की व्यवस्था भी होगी

मुख्यमंत्री का निर्देश, विवाद की स्थिति में प्रशासक की तैनाती ठीक नहीं, प्रबंध समिति ही तय करे अपना विधान. नए सोसाइटी पंजीकरण एक्ट के प्रारूप पर मुख्यमंत्री ने दिए दिशा-निर्देश, कहा, सोसाइटी के आंतरिक कामकाज में अनावश्यक हस्तक्षेप न हो. मुख्यमंत्री का निर्देश, नए कानून में निष्क्रिय एवं संदिग्ध संस्थाओं के विघटन और संपत्ति सुरक्षा के लिए ठोस प्रावधान हों.

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के स्थान पर उत्तर प्रदेश में नया कानून लागू किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा है कि सोसाइटी के रूप में पंजीकृत संस्थाओं के पंजीकरण, नवीनीकरण तथा उनकी संपत्तियों के पारदर्शी प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए युगानुकूल और व्यावहारिक प्रावधान किए जाने चाहिए। वर्तमान अधिनियम में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने, निष्क्रिय अथवा संदिग्ध संस्थाओं के निरस्तीकरण/विघटन और संपत्ति के सुरक्षित प्रबंधन, तथा सदस्यता, प्रबंधन और चुनाव संबंधी विवादों के समयबद्ध निस्तारण के स्पष्ट प्रावधानों का अभाव है। इसी प्रकार, वित्तीय अनुशासन के लिए ऑडिट, निधियों के दुरुपयोग पर नियंत्रण।

जम्मू में बाढ़ से मची तबाही, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर हालात का किया आकलन

सिन्हा और उमर अब्दुल्ला के साथ, शाह बिक्रम चौक के पास तवी पुल पर रुके और नदी के किनारे हुए नुकसान का निरीक्षण किया। वह बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए रविवार रात जम्मू पहुँचे थे।

एजेंसी

जम्मू में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजभवन में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद, जिसमें विपक्ष के नेता सुनील शर्मा भी मौजूद थे, शाह जिले के सबसे अधिक प्रभावित गांव मंगूचक सहित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। सिन्हा और उमर अब्दुल्ला के साथ, शाह बिक्रम चौक के पास तवी पुल पर रुके और नदी के किनारे हुए नुकसान का निरीक्षण किया। वह बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए रविवार रात जम्मू पहुँचे थे। 14 अगस्त से किश्तवाड़, कठुआ, रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ में 130 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और 33 लापता हैं। 26-27 अगस्त के दौरान रिकॉर्ड बारिश के कारण जम्मू और अन्य मैदानी इलाकों के निचले इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। मृतकों में 34 तीर्थयात्री शामिल हैं, जो 26 अगस्त को माता वैष्णो देवी मंदिर जाते समय हुए भूस्खलन की चपेट में आ गए थे।खराब मौसम और मार्ग पर सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण वैष्णो देवी यात्रा सोमवार को सातवें दिन भी स्थगित रही। कटरा स्थित आधार शिविर वीरान पड़ा रहा।

दावे और आपत्तियां 1 सितंबर की समय सीमा के बाद भी दाखिल की जा सकती हैं: सुप्रीम कोर्ट

'पैरालीगल स्वयंसेवकों करें तैनात'

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार एसआईआर को लेकर भ्रम को काफी हद तक विश्वास का मुद्दा करार देते हुए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह 1 अगस्त को पब्लिश ड्राफ्ट लिस्ट पर दावे और आपत्तियां दर्ज करने में व्यक्तिगत मतदाताओं और राजनीतिक दलों की सहायता के लिए पैरालीगल स्वयंसेवकों को तैनात करे.

एजेंसी

नई दिल्ली: चुनाव आयोग ने सोमवार को कहा कि बिहार स्पेशल इंटेंसिव रीविजन अभ्यास के तहत तैयार वोटर लिस्ट के मसौदे में दावे, आपत्तियां और सुधार 1 सितंबर के बाद भी दायर किए जा सकते हैं, लेकिन मतदाता सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही उन पर विचार किया जाएगा. जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने चुनाव आयोग की दलील पर गौर किया, जिसमें कहा गया था कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में नामांकन पत्र जमा करने की लास्ट डेट तक दावे और आपत्तियां दायर की जा सकती हैं. चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा, समय सीमा में किसी भी तरह का विस्तार पूरी प्रक्रिया।

पंजाब के 1300 से ज्यादा गांवों में बाढ़

हिमाचल आपदा प्रभावित राज्य घोषित, हरियाणा में 2.50 लाख एकड़ में फसलों को नुकसान

चंडीगढ़-मनाली फोरलेन सहित 5 नेशनल हाईवे और करीब 800 सड़कें बंद पड़ी हैं। कुल्लू समेत 10 जिलों में सोमवार को स्कूल-कॉलेज बंद हैं। हरियाणा के 6 जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। सिरसा में एक नहर टूटने से 50 एकड़ में खड़ी फसल पानी में डूब गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में अब तक 2.50 लाख एकड़ में फसलों को नुकसान हुआ है। करीब 40 हजार किसान प्रभावित हुए हैं।

एजेंसी

देहरादून, उत्तर भारत के हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से हालात खराब हैं। पंजाब के 9 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। भाखड़ा डैम में फ्लड गेट 4-4 फीट तक खोल दिए हैं। हिमाचल में रविवार से तेज बारिश हो रही है। शिमला के कोटखाई, जुब्बल और जुन्गा में देर रात लैंडस्लाइड से 4 लोगों की मौत हो गई। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा में हिमाचल को आपदा प्रभावित राज्य घोषित किया है। सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिससे यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। दिल्ली सरकार ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में केदारनाथ नेशनल हाईवे पर सोमवार को लैंडस्लाइड के बाद दो यात्रियों की मौत और छह लोग घायल हो गए।

हिमाचल में मणिमहेश यात्रा पर निकले 4 श्रद्धालुओं के शव मिले

हिमाचल के चंबा में मणिमहेश यात्रा पर निकले 4 श्रद्धालुओं के शव मिले हैं। 25 अगस्त से लेकर 1 सितंबर तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है।

इस्तीफे के 42 दिन बाद उपराष्ट्रपति आवास से निकले धनखड़

अभय चौटाला के फार्महाउस में रहेंगे; विपक्ष ने हाउस अरेस्ट का आरोप लगाया था

धनखड़ अब तक संसद भवन के पास उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रह रहे थे। उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

एजेंसी

नई दिल्ली , पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अब दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर इलाके में स्थित अभय चौटाला के फार्महाउस में रहेंगे। सोमवार शाम 6 बजे उन्होंने इस्तीफे के 42 दिन बाद उपराष्ट्रपति आवास छोड़ा। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रमुख अभय चौटाला ने दैनिक भास्कर को बताया कि हमारे परिवार के घनखड़ जी से पुराने रिश्ते हैं। हमने उनसे हमारे घर में रहने की अपील की, जो उन्होंने मान ली। धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को पद से इस्तीफा दे दिया था।

पलटवार पूछा- हलफनामे से क्यों भागते हैं?

राहुल के हाइड्रोजन बम पर रविशंकर प्रसाद का पलटवार, बताया 'फुस्स पटाखा'

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के अपने आरोपों को दोहराए जाने और भाजपा को एक और हाइड्रोजन बम की चेतावनी दिए जाने के बाद सत्तारूढ़ पार्टी ने सोमवार को उन्हें गैरजिम्मेदार और समझने में कठिन कहा। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने प्रसन्नतापूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी मैं राहुल गांधी को बोलते हुए सुनता हूं, चाहे संसद के अंदर हो या बाहर, मुझे कई प्रकार के एंटीना लगाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी ने कहा कि मैंने एटम बम फोड़ा है, अब हाइड्रोजन बम फोडूंगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में मतगणना को लेकर कर्नाटक में जो उनका एटम बम था वो तो फुस्स हो गया, वो दिवाली का एक छोटा पटाखा भी नहीं निकला, और वो हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कर रहे हैं। अभी तक तो दुनिया में भी हाइड्रोजन बम नहीं फूटा है। कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि एक बार उन्होंने (राहुल गांधी) कहा था कि 5-6 साल में व्यक्ति युवा हो जाता है। दूसरी बात उन्होंने कही, तपस्या करने से गर्मी होती है। इसलिए एटम बम और हाइड्रोजन बम का चुनाव से क्या संबंध है, इसके लिए मुझे जानकारी प्राप्त करनी पड़ेगी। राहुल गांधी जी... इतना अपने आप को हल्का क्यों बना रहे हैं, आप विपक्ष के नेता के पद पर हैं, इसकी गरिमा होती है। भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर कई सवाल उठाए हैं, लेकिन हलफनामे के मुद्दे पर वह चुप क्यों हैं? उन्होंने कहा कि मैं तीन सवाल उठाना चाहता हूँ जिनका जवाब राहुल गांधी को देना चाहिए: 1.21 लाख लोग मर चुके हैं। क्या उन्हें अब भी मतदाता सूची में रहना चाहिए? 2.35 लाख लोग अब अपने पंजीकृत पते पर नहीं रहते। क्या उनके नाम बने रहना चाहिए? 3.7 लाख नाम दो अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में हैं। क्या उन्हें दो बार मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आपत्तियाँ हलफनामों के माध्यम से दर्ज की जानी चाहिए। राहुल गांधी इससे क्यों भाग रहे हैं? क्योंकि उन्हें पता है कि हलफनामे में झूठ बोलने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पहले बिहार में जब चुनाव होता था तो कितनी बूथ कैप्चरिंग होती थी, बूथ तक लूट लिया जाता था। लेकिन आज बूथ कैप्चरिंग खत्म हो गई है। मैं चुनाव आयोग का धन्यवाद करता हूं। आज ईवीएम में जाइए, बटन दबाइए और रिजल्ट सामने आता है। आज जो अखिलेश और तेजस्वी यादव कहते हैं कि बैलेट पेपर लाओ... क्योंकि इनके दिल में दर्द है कि ये लोग बूथ कैप्चरिंग नहीं कर पा रहे हैं।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी के 'हाइड्रोजन बम' बयान पर तीखा पलटवार करते हुए उनके आरोपों को गैर-जिम्मेदाराना बताया। प्रसाद ने चुनाव आयोग की पारदर्शिता का बचाव करते हुए अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव द्वारा बैलेट पेपर की मांग को बूथ कैप्चरिंग दोबारा शुरू करने की मंशा करार दिया।

नितिन गडकरी का बेबाक बयान: जो लोगों को मूर्ख बना दे, वही सबसे अच्छा नेता

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को लोगों से ईमानदारी और विश्वसनीयता के साथ काम करने का आग्रह किया और कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने कहा कि यद्यपि शॉर्टकट से शीघ्र परिणाम प्राप्त करने में मदद मिल सकती है, लेकिन यह आपको छोटा कर देता है। अखिल भारतीय महानुभाव परिषद द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जैसा कि भगवान कृष्ण ने भगवद गीता में लिखा है, अंत में सत्य की ही जीत होती है। गडकरी ने कहा कि राजनीति में सच बोलना मना है। उन्होंने कहा कि यह कहना जितना आसान है, करना उतना आसान नहीं है, क्योंकि जिस क्षेत्र में वे काम करते हैं, वहाँ पूरे दिल से सच बोलने को हतोत्साहित किया जाता है। एक मराठी कहावत का हवाला देते हुए - हाओसे, नावसे, गावसे (हर किसी की अपनी शैली और उद्देश्य होते हैं) - गडकरी ने कहा कि अंततः, जो नेता लोगों को मूर्ख बनाकर अपनी बात मनवा लेता है, अक्सर वही सफल होता है। गडकरी ने कहा कि अक्सर यह माना जाता है कि जो लोगों को सबसे ज्यादा बेवकूफ बना सकता है,

नितिन गडकरी ने नागपुर में राजनीति की कड़वी हकीकत बयां करते हुए कहा कि अक्सर वही सबसे अच्छा नेता माना जाता है जो लोगों को सबसे ज्यादा मूर्ख बना सकता है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनके क्षेत्र में सच बोलना हतोत्साहित किया जाता है, जो राजनीतिक नैतिकता पर गंभीर सवाल उठाता है।

सम्पादकीय

पहले से हो तैयारी

हिमालय क्षेत्र में उत्तराखंड से जम्मू-कश्मीर तक भारी बारिश और भूस्खलन से तबाही मची है, जिसमें कई लोगों की जान गई है। वैष्णो देवी में लैंडस्लाइड से 32 लोगों की मौत हो गई और यात्रा रोक दी गई। हिमालय क्षेत्र इस समय भयानक तबाही के दौर से गुजर रहा है। उत्तराखंड से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और जिंदगियां दांव पर लगी हैं। ये आपदाएं और जानमाल का नुकसान गंभीर चेतावनी है। जनजीवन पर असरः जम्मू में वैष्णो देवी धाम के पास हुए लैंडस्लाइड में मृतकों की संख्या 32 तक जा पहुंची है। यात्रा रोकनी पड़ी है और फंसे हुए यात्रियों को निकाल कर सुरक्षित घर पहुंचाने की कोशिश जारी है। जम्मू ने केवल 20 घंटों में ही 10 साल की सबसे ज्यादा बारिश देख ली। राज्य के कई हिस्सों में कमोबेश ऐसे ही हालात हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पर बताया कि भारी बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। धराली से जम्मू तकः इस मॉनसून सीजन में यह सीन बार-बार दिख रहा है। इसी महीने की शुरूआत में उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद आए फ्लैश फ्लड ने पूरे कस्बे को तबाह कर दिया। फिर चमोली के थराली में आफत बरसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बार पहले भी, इसी 14 तारीख को बादल फटने से भारी तबाही मची थी। मचैल माता यात्रा के रास्ते पर आई प्राकृतिक आपदा की वजह से जन-धन की हानि हुई थी। भीड़ पर नियंत्रणः इन घटनाओं पर गौर करें तो आपदाओं में जान गंवाने वालों में बड़ी तादाद पर्यटकों की रही। धराली, उत्तराखंड के चार धाम में से एक, गंगोत्री के रूट पर पड़ता है। इसी तरह वैष्णो देवी के दर्शन के लिए सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। ये हादसे सबक हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में मौजूद भीड़भाड़ वाले पर्यटन और धार्मिक क्षेत्रों में ऐसे इंतजाम करने की जरूरत है, जिससे किसी अनहोनी की सूरत में लोगों को तुरंत निकाला जा सके। वॉर्निंग सिस्टमः प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। इसके लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत है। बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों में लगातार निगरानी से खतरों की पूर्व सूचना मिल सकती है। मॉनसून के सीजन में पहाड़ों की यात्रा वैसे भी मुश्किल भरी हो जाती है, तो इस मौसम में यात्रियों की संख्या सीमित करने पर विचार किया जा सकता है। राहत पर फोकसः मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट दिया है। दूसरे राज्यों के पर्यटक और श्रद्धालु अब भी विभिन्न जगहों पर फंसे हुए हैं। अभी इन सभी की सुरक्षित घर वापसी और राहत-बचाव पर फोकस होना चाहिए। साथ में, ऐसी नीतियों की जरूरत है, जिसमें पहाड़ों की संवेदनशीलता का ख्याल रखा गया हो।

आज का विचार

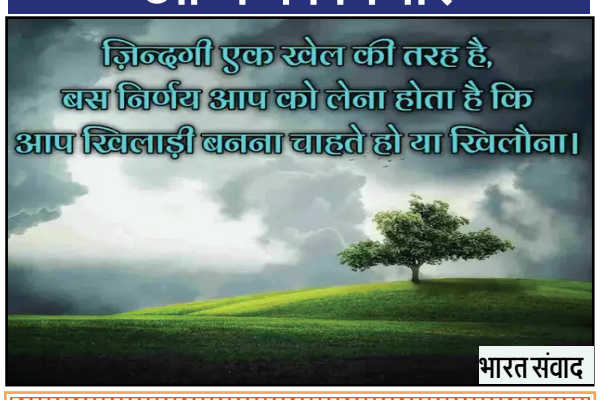

ट्रंप रूपी आपदा को अवसर में बदलें, टैरिफ से निपटने के लिए उठाने होंगे बड़े कदम

आर्थिक सुधारों को 35 साल हो रहे हैं पर क्या हम एक भी ऐसा ब्रांड बना पाए हैं जो अमेरिका जापान जर्मनी और कोरिया के ब्रांडों की तरह वैश्विक हो? सालों से गूगल माइक्रोसाफ्ट फेसबुक और एपल की कोडिंग करते बनाते और उन्हें चलाते आ रहे हैं लेकिन चीन की तरह अपने बाइडू वीचैट टिकटाक और हुआवे क्यों नहीं बना पाए?

पा पंचतंत्र की कथा है। एक तालाब में तीन मछलियां रहती थीं- अनागतविधाता, प्रत्युत्पन्नमति और यद्भविष्य। अनागतविधाता आने से पहले उपाय कर लेती थी। प्रत्युत्पन्नमति समस्या आने पर कुछ करती और यद्भविष्य भाग्य के भरोसे रहती थी। चीन को आप अनागतविधाता मान सकते हैं और भारत को प्रत्युत्पन्नमति, जो संकट सिर पर आने पर ही अपने हाथ-पांव मारता है। हम आजाद तो गांधी जी के स्वावलंबन के नारे के साथ हुए थे, मगर अन्न की आत्मनिर्भरता के लिए हरित क्रांति पर काम तब तक शुरू नहीं किया गया जब तक भयंकर अन्न संकट से दो-चार नहीं हुए। आर्थिक सुधार तब तक नहीं किए, जब तक 1991 में देश संरक्षणवाद और लाइसेंस राज की वजह से दिवालिया होने के कगार पर नहीं जा पहुंचा। इसी तरह उद्योगों में आत्मनिर्भरता की बात हमें तब तक याद नहीं आई जब तक कोविड महामारी ने आर्थिकी को ठप नहीं कर दिया। अब ट्रंप की अप्रत्याशित नीति ने विदेश व्यापार और विदेश नीति के मोर्चे पर हमारे लिए संकट खड़ा कर दिया, जिसके समाधान के लिए आत्मनिर्भर भारत की बात दोहराई जा रही है। टैरिफों को अपनी ही केंद्रीय अदालत द्वारा अवैध ठहराने के बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप ने 25 वर्षों के सामरिक और आर्थिक संबंधों को ताक पर रखते हुए भारत पर लगाए टैरिफ को 25 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। यही नहीं, भारत के सेवा क्षेत्र को निशाना बनाने वाले मोर्चे भी खोले जा रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस हर साल प्रशिक्षित पेशेवरों के लिए 65 हजार और उच्च शिक्षा के लिए 20 हजार वीजा देती है जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत वीजा भारतीय पेशेवर और छात्र हासिल करते हैं। चूंकि सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय कंपनियां एच-1बी वीजा के जरिये ही अपने प्रशिक्षित कर्मचारी अमेरिका भेजती हैं, इसलिए ट्रंप सरकार इसी पर अंकुश लगाना चाहती है। हालांकि खुद ट्रंप के कारोबार में एच-1बी वीजा पर आए पेशेवर काम करते हैं, पर उनके वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक और फ्लोरिडा के गवर्नर रान डेसेंटिस को एच-1बी वीजा की व्यवस्था घोटाला नजर आती है। गवर्नर डेसेंटिस ने तो यहां तक कहा है कि भारत ने इसे अमेरिकी व्यवस्था का दोहन करने का कुटीर उद्योग बना रखा है। ट्रंप सरकार अंतरराष्ट्रीय छात्रों के एफ वीजा और एक्सचेंज छात्रों के जे वीजाओं पर भी कड़ी समय सीमाएं लगाने जा रही है। ग्रीन कार्ड की जगह भी 50 लाख डालर से मिलने वाले गोल्ड कार्ड शुरू किए जा रहे हैं जिनके सहारे ट्रंप अमेरिका के कर्ज को उतारना चाहते हैं। व्यापार और आप्रवासन को लेकर ट्रंप सरकार का यह रवैया भले नाटकीय लगे, लेकिन अप्रत्याशित नहीं है। उनके पहले कार्यकाल के कामों से और चुनाव प्रचार से इसके स्पष्ट संकेत मिल चुके थे। भारत की ऊंची आयात-शुल्क दरों और एच-1बी वीजा के मामले पर ट्रंप के पिछले कार्यकाल में भी तनातनी हुई थी। भावी और अत्याधुनिक तकनीक को लेकर उनका संरक्षणवादी रवैया भी नया नहीं है, मगर भारत ने समय रहते इनसे निपटने के लिए कोई तैयारी नहीं की। क्रयशक्ति, उपभोग और आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिरता की दृष्टि से अमेरिका विश्व की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण मंडी है। उसमें मिले प्रवेश का भारतीय व्यापारियों ने सामर्थ्य के हिसाब से पूरा लाभ उठाया, लेकिन क्या हम ऐसी वैकल्पिक मंडी तैयार कर पाए जहां भारतीय व्यापारी अमेरिका में राजनीतिक या आर्थिक अड़चनें खड़ी होने पर अपना माल बेच सकें। यूरोपीय संघ की मंडी अमेरिका का एक अच्छा विकल्प बन सकती थी। चीन ने मौजूदा हालात का पूर्वानुमान करते हुए यूरोप के साथ अपना व्यापार अमेरिका से भी अधिक बढ़ा लिया, परंतु भारत पिछले तीन साल से यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर अटका हुआ है। चीन ने अपना व्यापार आसियान की मंडियों में भी फैलाया। इसीलिए जब ट्रंप ने टैरिफ की धमकी दी तो चीन ने वाक युद्ध में न उलझते हुए पहले बराबर का टैरिफ लगाकर और फिर उच्च प्रौद्योगिकी के लिए आवश्यक दुर्लभ खनिजों और चुंबकों के निर्यात को रोककर ट्रंप को झुकने पर मजबूर कर दिया। भारत भी अब यूरोप, जापान, दक्षिण कोरिया, रूस, आस्ट्रेलिया जैसे देशों में व्यापार बढ़ाने और रक्षा, ऊर्जा, चिकित्सा, सेमीकंडक्टर और एआइ जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की कोशिश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने मई 2020 में इसी के लिए 20 लाख करोड़ के पैकेज की घोषणा की थी, पर क्या उससे कुछ प्रगति हुई? प्रत्युत्पन्नमति मछली की तरह संकट मंडराने पर जरूर हम कुछ सुधार करते हैं। कुछ के नाम लेते हैं, पर संकट टलने के बाद भूल जाते हैं। जरूरत उन्हें जारी रखने की है। प्रधानमंत्री ने जापान में उद्योगपतियों से कहा कम, मेक इन इंडिया, लेकिन क्या उसके लिए हम जरूरी आर्थिक सुधार, भूमि सुधार, श्रम सुधार और कार्यसंस्कृति के सुधार करने के लिए तैयार हैं? जापान में हड़तालें न के बराबर होती हैं और तोड़फोड़ नहीं होती। क्या भारत में ऐसी कार्यसंस्कृति संभव है? सुधारों की जरूरत कृषि और सार्वजनिक क्षेत्रों में भी है। चीन ने अपने इंजन बनाकर छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान तैयार कर लिए हैं। जबकि हमें विदेशी इंजन लगाकर भी तेजस को बनाते-बनाते 40 बरस बीत गए हैं। चीन अपना सामान बनाने में स्वचालन, एआइ या यंत्रबुद्धि और प्रशासन की निगरानी में इष्टतम प्रक्रिया का प्रयोग करता है। दुनिया की मंडियों में उसके माल से प्रतिस्पर्धा के लिए भारत को उससे भी कुशल उत्पादन प्रक्रिया अपनानी होगी। आर्थिक सुधारों को 35 साल हो रहे हैं, पर क्या हम एक भी ऐसा ब्रांड बना पाए हैं जो अमेरिका, जापान, जर्मनी और कोरिया के ब्रांडों की तरह वैश्विक हो? सालों से गूगल, माइक्रोसाफ्ट, फेसबुक और एपल की कोडिंग करते, बनाते और उन्हें चलाते आ रहे हैं, लेकिन चीन की तरह अपने बाइडू, वीचैट, टिकटाक और हुआवे क्यों नहीं बना पाए? चीन ने चैट जीपीटी के जवाब में आधा दर्जन एआइ माडल बना डाले, मगर भारत एक नहीं बना पाया। इसका कारण यह है कि भारत प्रायोगिक शिक्षा और अनुसंधान पर पूरा ध्यान नहीं देता। जब तक शिक्षा में सुधार नहीं होता तब तक भारत कोई शक्ति नहीं बन सकता।

राशिफल

मेष राशि : आपका दिन चुनौतियों से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको एक साथ कई जिम्मेदारियां उठानी पड़ सकती हैं। जिससे शारीरिक और मानसिक तनाव बढ़ने की संभावना है। लेकिन समझदारी और बुद्धिमानी से फैसले लेने से आप हर परिस्थिति को आसानी से संभाल सकते हैं।

वृषभ राशि: व्यवसाय के क्षेत्र में दिन बेहतरीन रहने वाला है और आप धीरे-धीरे सफलता की राह पर आगे बढ़ते जाएंगे, जिससे तनाव भी कम होगा। लेकिन इस समय आपको कोई भी नया काम करने से बचना चाहिए, क्योंकि यह समय आपके लिए अनुकूल नहीं है। राजनीतिक क्षेत्र में प्रतिद्वंदी आपसे आगे निकलने का प्रयास कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कार्यों को समय पर पूरा करके आप शाम को परिवार के साथ समय बिता सकते हैं।

मिथुन राशि: कारोबार के मामले में दिन सामान्य रहने वाला है। बौद्धिक और व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, भाग्य का भी साथ मिलेगा जिससे आपके कई अधूरे काम पूरे हो सकते हैं।

कर्क राशि : कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा लिए गए निर्णय सही साबित होंगे, जिससे लाभ मिलने की भी संभावना है। व्यापार में नए संपर्क बनाने से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। लेकिन कार्यक्षेत्र में कोई सहकर्मी आपके लिए समस्या उत्पन्न कर सकता है। ऐसे में सावधान रहना जरूरी होगा।

सिंह राशि : आपको हर मामले में भाग्य का साथ मिल सकता है, जिससे मन को संतुष्टि महसूस होगा। कार्यक्षेत्र में विरोधियों द्वारा आपके लिए बनाए गए प्लान असफल रहेंगे। सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि होने की संभावना है। ऐसे में मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशि: कार्यक्षेत्र में दिन सामान्य से बेहतर बना रहेगा और विरोधी की आपके खिलाफ बनाई गई योजनाएं फेल होंगी। व्यापार के मामले में लाभ कमाने के शुभ अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आप वृद्धजनों की सेवा और पुण्य कार्यों में कुछ धन भी खर्च कर सकते हैं।

तुला राशि: आपको कार्यक्षेत्र में अपने सभी कामों को समय पर पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। अधिक प्रयासों के बाद भी अपेक्षित लाभ न मिलने और आय कम होने के चलते आप का मन उदास हो सकता है।

वृश्चिक राशि : दिन आपके लिए थोड़ा चुनौती पूर्ण हो सकता है। लेकिन व्यवसाय के क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण अनुबंध या फैसला आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है, जिससे संतुष्टि महसूस होगी। कार्यक्षेत्र में मीटिंग या चर्चा में आप सभी को अपनी बातें सही तरीके से समझाने में कामयाब रहेंगे।

धनु राशि : व्यापार और कारोबार के मामले में दिन बेहतरीन रहने वाला है और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कार्यों में आपको सफलता मिल सकता है, जिससे धन-धान्य में वृद्धि होगी। वहीं, व्यापार के मामले में भी धन लाभ के योग बन रहे हैं।

मकर राशि: आपका दिन मिलाजुला रह सकता है। समाज में सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। वहीं, कुछ महान व्यक्ति से मुलाकात होने के कारण आपका मन प्रसन्न रहेगा। कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों के सहयोग और समर्थन से आपको किसी प्रॉपर्टी से जुड़े विवाद से छुटकारा मिल सकता है।

कुंभ राशि : कार्यक्षेत्र में आपको अपने प्रयासों और मेहनत का अब शुभ फल प्राप्त हो सकता है। वहीं, लंबे समय से बीच में अटके हुए काम अब पूरे हो सकते हैं। आपको कहीं से धन कमाने के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मीन राशि : आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है और भाग्य का पूरा साथ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करने वालों के लिए पूरे दिन आय के नए स्रोत सामने आ सकते हैं और कार्यस्थल पर विरोधी परास्त होंगे। वहीं, व्यवसाय के मामले में भी दिन लाभदायक रहेगा और अपने कारोबार में धन लगाने से अधिक मुनाफा मिलने की संभावना है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

महिलाओं को आगे बढ़ाने भगीरथ प्रयास क्यों नही

संजीव ठाकुर

भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से प्रासंगिक हो गया है स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया महिलाओं को घर की चारदीवारी में कैद होना पड़ा था इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी संपूर्ण योग्यता, ऊर्जा, शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही है इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन, मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25% से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60% महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50% भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

आत्मबल से भरा है भारत

डॉ नीरज भारद्वाज

आज विश्व के एकीकरण का समय माना जाता है अर्थात वैश्वीकरण। यह वैश्वीकरण कुछ और नहीं बल्कि व्यापार की दृष्टि से देशों का आपस में जुड़ना है। जब व्यापार होगा तो एक दूसरे देश की सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराएं भी विस्तार लेती चली जाती हैं। वैश्वीकरण ने व्यापार के रास्ते खोलने के साथ-साथ समाज में नयापन भरा है, लोगों की सोच में भी परिवर्तन किया है। देश-विदेश की दूरियों को भी कम किया है। आज भारत में अमेरिका द्वारा लगाए जा रहे टैरिफ को लेकर बहुत सारी बातें हो रही हैं। कोई इसे भारतीय व्यापार पर कुप्रभाव की बात कर रहा है तो कोई आगामी परिणाम की बात कर रहा है। यदि हम थोड़ा सा पीछे हटकर देखें और बात करें तो प्रथम युद्ध का एक कारण यूरोपीय देशों का उपनिवेशवाद भी रहा। यह देश अपने लिए मंडी अर्थात बाजार खोज रहे थे।बाजार खोजते-खोजते इन यूरोपीय देशों ने एशिया के बहुत सारे देशों को गुलाम बनाना शुरू कर दिया। कई बार मन में प्रश्न उठता है कि एक छोटे से देश ने कैसे देखते ही देखते भारत जैसे विशाल भूखंड पर और इसकी प्राचीन सनातन संस्कृति पर अपना कुठाराघात किया। यह सत्ताधारी देश जिस देश पर अधिकार करते, उस देश की धन-संपदा तो लूटते ही थे साथ में वहां से कच्चा माल ले जाकर अपने देश के नाम पर विश्व में बेचकर मोटा पैसा कमाते थे। इन्होंने जिस भी देश पर अधिकार किया उस देश को चूस फेंका। गुलाम देशों में स्वतंत्रता को लेकर आंदोलन होते रहे, यह व्यापार में पैसा कमाते रहे।हमारा भारतवर्ष भी उन दिनों ब्रिटिश शासन के अधीन गुलाम देश में से एक रहा।ध्यान देकर देखें तो दूसरे विश्व युद्ध का बड़ा कारण वैश्विक आर्थिक मंदी रहा। यह आर्थिक मंदी भी पूरे यूरोपीय देशों और अमेरिका में ही रही। इन ताकतवर देशों ने अपने आसपास उभरते देशों को दबाना शुरू किया और दूसरा विश्व युद्ध हो गया। एक दृष्टि से दोनों विश्व युद्ध की जड़ में बड़ा कारण आर्थिक लड़ाई ही रहा। कहने का भाव है कि यूरोपीय देश रहे हों या अमेरिका, ये हमेशा से ही वैश्विक बाजार पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने में लगे हुए हैं। इसके लिए कितना ही बड़ा युद्ध क्यों ना हो जाए विचार करें तो अब वैश्विक परिस्थितियों बहुत बदल चुकी हैं। विश्व के बहुत सारे देश स्वतंत्र रूप में अपना कार्य कर रहे हैं। जिन देशों पर अमेरिका या यूरोप अपना दबाव बढ़ाना चाहता है, वह देश उनसे किनारा करके अन्य देशों के साथ व्यापार करने पर तैयार हो जाते हैं। आज सभी के लिए सभी के कपाट खुले हुए हैं। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी अपने प्रथम कार्यकाल से ही कहते रहे हैं मेक इन इंडिया और स्वदेशी अपनाओ। दूसरी ओर देखेंगे तो पूरे स्वतंत्रता संग्राम में भी स्वदेशी अपनाओ की बात महात्मा गांधी जी ने भी कही। इससे विदेशी लोगों की कमर अपने आप ही टूट गई।आज हमारा देश हर क्षेत्र में कार्य कुशल है। अंतरिक्ष, विज्ञान, संचार, तकनीक आदि हर क्षेत्र में हमारे देश ने अपना लोहा विश्व को मनवाया है। कार्य और व्यापार के क्षेत्र में भी हम स्वावलंबी बनाकर अपनी ताकत के साथ काम कर रहे हैं। हम स्वयं एक मजबूत स्थिति में है। भारतवर्ष आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों को यह बात गले से नीचे नहीं उतर रही है। जिस गति से हमारी अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है, हम तीसरे स्थान पर भी जल्द ही पहुंच जाएंगे।अमेरिका रोज-रोज अपनी टैरिफ नीति में बदलाव कर रहा है। टैरिफ में बदलाव कर वह भारत पर दबाव बना रहा है। कैसे भी हो वह हमारे और वैश्विक बाजार को डुबो देना चाहता है। भारतवर्ष और अन्य उभरते देश आर्थिक रूप से टूट जाए, ऐसा प्रयास चल रहा है। लेकिन अब ऐसा होने वाला नहीं है। 21वीं सदी का यह भारत कुछ नई दृष्टि और दृष्टिकोण से सोचता है।

वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र में 8,293 मूर्तियों का हुआ विसर्जन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पांच दिवसीय गणेश विसर्जन के अवसर पर वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र में 8,293 मूर्तियों का विसर्जन हुआ। इसमें से 6,723 मूर्तियां (81%) कृत्रिम तालाबों में विसर्जित की गईं, जो पर्यावरण-संवेदनशीलता की दिशा में एक बड़ी पहल रही।नगरपालिका द्वारा 116 कृत्रिम तालाब,18 मोबाइल विसर्जन टैंक, 6 जेटी, और 2 बंद खदानों सहित व्यापक इंतजाम किए गए थे। विसर्जन स्थलों पर नागरिकों की सुविधा हेतु मंडप, आरती स्थल, निर्माल्य कलश, मेडिकल सहायता और निशुल्क बस सेवा भी उपलब्ध कराई गई। महानगरपालिका की तैयारियों की सराहना करते हुए नागरिकों ने संतोष जताया।आयुक्त मनोजकुमार सूर्यवंशी ने आगामी विसर्जनों में भी कृत्रिम तालाबों को प्राथमिकता देने की अपील की है, जिससे प्राकृतिक जल स्त्रोतों की रक्षा की जा सके।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मराठा आंदोलनकारियों को मुंबई की सड़कें खाली करने का दिया आदेश

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि प्रशासन मराठा आरक्षण के लिए कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में जारी प्रदर्शन पर बॉम्बे हाईकोर्ट के निदेर्शों को लागू करेगा। मुख्यमंत्री का यह आश्वासन हाईकोर्ट की ओर से आंदोलन पर टिप्पणी किए जाने के कुछही देर बाद आया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मराठा आरक्षण को लेकर मनोज जारंगे पाटिल आंदोलन कर रहे हैं। इस पर बॉम्बे हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई।इसमें बॉम्बे हाईकोर्ट ने मराठा प्रदर्शनकारियों को कल यानी मंगलवार शाम तक आजाद मैदान को छोड़कर मुंबई की सभी सड़कें खाली करने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि किसी भी नए प्रदर्शनकारियों को मुंबई में प्रवेश की अनुमति न दी जाए और मनोज जारंगे के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बहस के दौरान यह भी कहा कि आंदोलन अब आयोजकों के हाथ से निकल रहा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देश के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

कोर्ट के निदेर्शों को लागू करेगी सरकार: फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि प्रशासन मराठा आरक्षण के लिए कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में जारी प्रदर्शन पर बॉम्बे हाईकोर्ट के निदेर्शों को लागू करेगा। मुख्यमंत्री का यह आश्वासन हाईकोर्ट की ओर से यह टिप्पणी किए जाने के कुछ ही देर बाद आया कि जरांगे और उनके समर्थकों ने प्रथम दृष्टया शर्तों का उल्लंघन किया है। दरअसल जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस गौतम अंखड की बेंच ने कहा कि चूंकि प्रदर्शनकारियों के पास आंदोलन जारी रखने के लिए वैध अनुमति नहीं है, इसलिए वह उम्मीद करती है कि राज्य सरकार उचित कदम उठाकर कानून में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करेगी।

अदालत ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अब कोई भी प्रदर्शनकारी शहर में प्रवेश न कर सके, जैसा कि जरांगे ने दावा किया है। फडणवीस ने पुणे में संवाददाताओं से कहा कि सरकार हाईकोर्ट के निदेर्शों को लागू करेगी।

विरोध प्रदर्शन समाप्त कराने के सवाल पर क्या कहा?

फडणवीस ने विरोध प्रदर्शन समाप्त कराने के सवाल पर कहा कि बातचीत माइक पर नहीं हो सकती, हमें पता होना चाहिए कि किससे बात करनी है। हम अड़े नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज सुबह हुई बैठक में कानूनी विकल्पों पर चर्चा की गई।

फास्ट ट्रैक

पश्चिम रेलवे द्वारा 06/07 सितंबर, 2025 की रात्रि में गणपति विसर्जन के लिए छह जोड़ी स्पेशल लोकल ट्रेनों का परिचालन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा गणपति विसर्जन के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए 06/07 सितंबर, 2025 की मध्यरात्रि में चर्चगेट और विरार के बीच छह जोड़ी अतिरिक्त स्पेशल लोकल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। इन लोकल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

पालघर पुलिस का 'ऑपरेशन ऑल आउट'

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पालघर जिला पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख के आदेशानुसार, जिले के 16 थानों के अंतर्गत चलाए गए ऑल आउट अभियान के दौरान 27 स्थानों पर नाकाबंदी और 19 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। इस अभियान से जिले में अपराध पर अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी। पालघर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अंतर्गत आने वाले आठ तालुकाओं के थानों के अंतर्गत चलाए गए ऑल आउट अभियान के दौरान, मद्यनिषेध पुलिस अधिनियम के तहत 14 मामले दर्ज किए गए और एक लाख 27 हजार 690 रुपये जब्त किए गए। मोटर वाहन अधिनियम के तहत 128 मामले दर्ज किए गए और 54 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया, जबकि 73 हिस्ट्रीशीटर, 45 कुख्यात अपराधी और 22 जेल से रिहा आरोपियों की जाँच की गई। 51 लोगों के बी रोल और 20 लोगों के ए रोल जारी किए गए। 23 लोगों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 126 (23) के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की गई। यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए 34 वारंट और 95 समन जारी किए गए हैं और 24 मामले दर्ज किए गए हैं। कोटपा अधिनियम के तहत छह मामले दर्ज किए गए हैं और 1700 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनायक नरले के साथ पुलिस अधीक्षक को जानकारी दी गई है कि चार उप-विभागीय पुलिस अधिकारियों, 72 पुलिस अधिकारियों और 342 पुलिस कांस्टेबलों के एक बड़े पुलिस बल को लागू करके इस व्यापक अभियान को सफल बनाया गया।

मराठा आंदोलन से सड़कें ब्लॉक, स्कूल बंद, डायवर्जन, घर से निकलने के पहले पढ़ लें मुंबई पुलिस की यह अडवाइजरी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः आजाद मैदान मुंबई में मराठा आंदोलन जारी है। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर हो रहा यह प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रहा। हजारों प्रदर्शनकारी आजाद मैदान में धरने पर बैठे हैं। साउथ मुंबई में ट्रैफिक बुरी तरह से ध्वस्त हो गया है। मुंबई में सोमवार को भारी ट्रैफिक जाम हो गया। ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई। परेशानी बढ़ने पर मुंबई पुलिस ने ट्रैफिक को दूसरी तरफ मोड़ दिया। कई बड़े रास्ते बंद कर दिए गए। खासकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (उरटळ) के आसपास के रास्ते बंद कर दिए गए बाहर की सड़कें बंद कर दी गई हैं। मरीन ड्राइव और पीडी मेलो रोड पर भारी ट्रैफिक जाम है। आंदोलनकारियों ने क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया लिमिटेड के परिसर में घुसने की कोशिश की। इस इलाके में भी ट्रैफिक जाम हो गया। इस तरह ट्रैफिक किया जा रहा डायवर्टमुंबई ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक कम करने के लिए रास्तों को बदल दिया है। उरटळ और आसपास के इलाकों में जाने वाले वाहनों को दूसरे रास्तों पर भेजा जा रहा है। जेजे मार्ग के ट्रैफिक को एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन से पुलिस कमिश्नर ऑफिस और मेट्रो सिनेमा जंक्शन की ओर मोड़ा जा रहा है। स्थिति के अनुसार ईस्टर्न फ्रीवे के ट्रैफिक को भी बदला जा सकता है। डीएन रोड पर उत्तर की ओर जाने वाले ट्रैफिक को फैशन स्ट्रीट और मेट्रो सिनेमा की ओर भेजा जा रहा है

लड़का निर्दोष है...दुष्कर्म के केस में छह साल बाद बेटे के बरी होने पर मां कोर्ट रूम में हुई बेहोश

मुंबई से सटे कल्याण में दुष्कर्म के एक मामले में जब फास्ट ट्रैक कोर्ट ने बरी किया तो आरोपी की मां कोर्ट में ही बेहोश हो गई। बेटे के बरी होने की खुशी में मां को चक्कर आ गया। दुष्कर्म का आरोप लगाने के बाद पुलिस ने अरेस्ट किया था। इसके बाद केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में चला गया था।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई से सटे कल्याण में कोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में जब आरोपी को बरी किया तो उसकी मां कोर्ट में बेहोश हो गई। युवक पर 6 साल की बच्ची से बलात्कार करने का आरोप लगा था। कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में उसे बरी किया, तो मां कोर्ट में बेहोश हो गई। इसके बाद यह पूरी घटना सुर्खियों में आ गई। घटना के वक्त आरोपी युवक के परिजनों ने कहा था कि वह निर्दोष है लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हु पुलिस ने उसे अरेस्ट किया था। इसके बाद उसे अलग-अलग परिस्थितियों के चलते छह साल जेल में काटने पड़े। कोर्ट ने जब फैसला सुनाय तो मां की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

2020 में लगा था दुष्कर्म का आरोपजानकारी के अनुसार जनवरी 2020 में कल्याण पश्चिम के वालधुनी इलाके की एक महिला ने आरोप लगाया कि पड़ोस में रहने वाले अल्ताफ खान ने अपने घर में बुलाकर उसकी लगभग 6 साल की बेटी के साथ बलात्कार किया है। इसके बाद महात्मा फुले पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज किया था। पुलिस ने घटना के बाद आरोपी अल्ताफ खान को गिरफ्तार कर लिया गया। अल्ताफ के परिवार ने तब भी कहा था कि वह निर्दोष है। उसने कुछ नहीं किया है। जिस दिन का घटना का जिक्र शिकायत में है, हम सब घर पर थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। एक ओर जांच चल रही थी तभी कोविड शुरू हो गया। इसके बाद कल्याण जिला सत्र न्यायालय ने उसकी जमानत अर्जी 2 बार खारिज कर दी। परिवार को बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख करना पड़ा। हाईकोर्ट ने भी उसकी जमानत अर्जी 2 बार खारिज की।

हिंदू वकील ने लड़ा केस

अल्ताफ नाम के आरोपी की दुष्कर्म के मामले में एक हिंदू वकील ने पैरवी की। जब यह मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में गया तो वकील गणेश घोलप ने अदालत में अल्ताफ की ओर से बहस की। अल्ताफ के खिलाफ कोई सबूत नहीं था। ऐसे में उसे बरी कर दिया गया। कोर्ट से बरी होने के बाद लभगभग 6 साल बाद अल्ताफ को जेल से बाहर आने को मिला है। फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले के बाद अल्ताफ ने कहा कि अब मैं अपना अगला जीवन जी पाऊंगा। खास बात यह है कि अदालत ने अल्ताफ को बरी करने का जब फैसला सुनाया, उसकी मां कोर्ट में ही मौजूद थी। जज का फैसला सुनते ही वह बेहोश हो गई। इसके बाद कोर्ट परिवार में थोड़ा अफरा-तफरी मच गई। मां को तुरंत चिकित्सीय मदद दी गई।

27000 टिशू पेपर, 3 महीने की मेहनत, 14 फीट के बप्पा... गोरेगांव में 'पवनबाग चा राजा' की बात निराली है

हर साल की तरह इस बार भी मुंबई में विविधताओं और विशेषताओं के साथ धूमधाम से गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। इस कड़ी में आज आपका दर्शन करने जा रहे हैं गोरेगांव (पश्चिम) स्थित पवनबाग सोसायटी के पावनबाग चा राजा गणपति मंडल का, जिसने अपना 50वां साल पूरा किया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

गोरेगांवः हर साल की तरह इस बार भी मुंबई में विविधताओं और विशेषताओं के साथ धूमधाम से गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। इस कड़ी में आज आपका दर्शन करने जा रहे हैं गोरेगांव (पश्चिम) स्थित पवनबाग सोसायटी के पावनबाग चा राजा गणपति मंडल का, जिसने अपना 50वां साल पूरा किया है। यहां माटुंगा निवासी कलाकार सागर चितले द्वारा अनोखे अंदाज में 27 हजार टिशू पेपर की मदद से इको फ्रेंडली गणपति बप्पा की प्रतिमा बनाई गई है। इसे बनाने में 3 महीने लगे हैं। मंडल के अध्यक्ष परेश विचारे ने बताया कि इस मंडल की नींव संस्थापक अशोक पांडुरंग विचारे, सदस्य महाबल शेट्टी और सदस्य आंबेलाल पटेल ने रखी थी, जो कई वर्षों तक जारी रही। अब प्रशांत पोदार, धीरज सलिल, वासवराज शेट्टी और महादेव शिंदे समेत कई अन्य सदस्यों के सहयोग से उनकी टीम बप्पा की स्थापना में अहम भूमिका निभा रही है। वासवराज शेट्टी ने बताया कि टिशू पेपर से बनाए गए इको-फ्रेंडली गणपति बप्पा की प्रतिमा 14 फुट ऊंची है। 4 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में बनाए भव्य पंडाल को आकर्षक तरीके से सजाया गया है। खास बात यह है कि मंडल हर साल पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इको-फ्रेंडली बप्पा ही स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि इस सोसायटी में मशहूर कोरियोग्राफर गणेश हेगड़े और अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी चिराग शेट्टी भी रहते हैं, जिन्होंने गणपति बप्पा का दर्शन किया। डीसीपी संदीप जाधव भी दर्शन ले चुके हैं। वहीं, परेश विचारे ने बताया कि मंडल की ओर से प्रतिदिन महाभंडारा आयोजित किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु बप्पा का दर्शन कर प्रसाद ग्रहण करते हैं। साथ ही बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रोजाना होते हैं। इस बार भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक परिधानों पर खास ध्यान दिया गया है। इको फ्रेंडली गणपति बप्पा न केवल आस्था और परंपरा का प्रतीक है, बल्कि वे समाज और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भी संदेश दे रहे हैं। ग्यारहवें दिन अक्सा बीच पर सैकड़ों की संख्या में गणेश भक्त गाजे-बाजे के साथ विघ्नहर्ता को विसर्जित कर देंगे।

पश्चिम रेलवे के 6 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुंबई में 6 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया, जिनके योगदान से सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित हो सका। ये कर्मचारी जून एवं जुलाई, 2025 माह के दौरान ड्यूटी में सतर्कता बरतते हुए किसी भी अप्रिय घटना को टालने में सफल रहे। इन 6 कर्मचारियों में अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडल से दो-दो कर्मचारी, जबकि मुंबई सेंट्रल एवं भावनगर मंडल से एक-एक कर्मचारी शामिल हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि ये सभी कर्मचारी अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने हैं। इन कर्मचारियों ने संरक्षा के विविध क्षेत्रों जैसे कि ब्रेक बाइंडिंग या हॉट व्हील एक्सल, आपातकालीन ब्रेक लगाकर अप्रिय घटना को रोकने, मानव जीवन की रक्षा करना आदि में सक्रिय योगदान देकर ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में अपना अदम्य उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई। पश्चिम रेलवे को इन सभी कर्मचारियों पर गर्व है, जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को समय रहते रोकने में सहायता की।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

कल्याण (प) तुलसी सर्वोदया खडकपाडा, शिवांश इंदोरिया के घर पर विराजमान बाप्पा मोरया की सुंदर प्रतिमा।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

कल्याण पूर्व, प्रभुराम नगर, दशरथ कुटीर निवासी चंद्रकांत सोनवाने के घर पर विराजमान श्री गणेश जी की आलौकिक मूर्ति।

मराठा आंदोलन ने मुंबई ही नहीं, वसई-विरार, मीरा-भाईंदर, कल्याण, ठाणे और भिवंडी की भी बढ़ाई परेशानी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः आजाद मैदान में शुक्रवार से शुरू हुआ मराठा आंदोलन सोमवार को चौथे दिन पर पहुंच गया है, लेकिन इसका कोई जल्द समाधान निकलता नहीं दिखाई दे रहा है। मराठा आंदोलन के कारण सोमवार को मुंबईकरों को कई तरह की परेशानियों और चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को लाखों लोग मुंबई नौकरी और व्यापार के लिए आएंगे। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर हजारों मराठा आंदोलनकारी बैठे हैं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

कल्याण के विंध्यवासिनी कृपा निवासी बिजनेस वूमेन मैसेज जाह्नवी राजेश माली के घर पर विराजमान श्री गणेश बप्पा की आकर्षक एवं मनमोहक मूर्ति। गणेश उत्सव पर श्री गणेश जी का आशीर्वाद सत्यनारायण पूजा महाप्रसाद का लाभ लेते वरिष्ठ पत्रकार एचपी तिवारी एवं उनके मित्र मानकर और सभी रिश्तेदार

अथर्व तिवारी और आध्विक तिवारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

टीवी 9 के वरिष्ठ पत्रकार आनंद पांडेय के निवास पर विराजमान बप्पा का दर्शन करते दक्षिण मध्य मुंबई महिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रज्योति हंडोरे, वाइस प्रेसिडेंड कांग्रेस पूर्वी पटेल और यूटूबर मनीषा पांडेय। इस धार्मिक कार्यक्रम में मैं भी शरीक हुआ।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या 12 वर्ष 2025-26 दिनांक 01/09/2025

सं	ई-निविदा संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित एनआईटी लागत (रुपये में)	ईएमडी लागत (रुपये में)
1	DRM-ADI-124-2025-26	विरमगाम और मालिया मियाणा स्टेशन - वरिष्ठ मंडल अभियंता (पश्चिम) अहमदाबाद के अधिकार क्षेत्र में 12 नए यूनिट टाइप-II क्वार्टरों का निर्माण (संयुक्त निविदा)	3,67,25,487.01	3,33,600.00
2	DRM-ADI-125-2025-26	अहमदाबाद मंडल - 60 किग्रा/52 किग्रा (90 यूटीएस/72 यूटीएस, आर-260), (नई/एसएच) (एसआर/एसडब्ल्यूआर/एलडब्ल्यूआर) रेल की फ्लैश बट वेल्डिंग, मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग और अन्य सहायक ट्रैक कार्य के साथ कार्यस्थल पर।	36,22,22,494.57	19,61,100.00
3	DRM-ADI-126-2025-26	अहमदाबाद मंडल - मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट और अन्य सहायक ट्रैक कार्य के साथ रेल की फ्लैश बट वेल्डिंग द्वारा वेल्डिंग नवीनीकरण।	36,59,69,819.15	19,79,900.00
4	DRM-ADI-127-2025-26	सहायक मंडल अभियंता - गांधीधाम के क्षेत्राधिकार में एफआरएम (फ्रंट रनर मशीन) द्वारा रेल, स्लीपर, पी एंड सी स्लीपर और शैलो स्क्रीनिंग का आकस्मिक नवीनीकरण। (पुनःआमंत्रित)	2,88,85,177.63	2,94,400.00
5	DRM-ADI-128-2025-26	एसएसई (पी. वे) केएलएल के अधिकार क्षेत्र में नवनिर्मित खंड अद्रज मोती-विजापुर (एजेएम-वीजेएफ) और विजापुर-आंबलियासन (वीजेएफ-यूएमएन) के ट्रैक रखरखाव कार्यों की आउटसोर्सिंग 2 वर्षों के लिए	5,32,95,784.4	4,16,500.00
6	DRM-ADI-129-2025-26	गांधीधाम रेलवे कॉलोनी, स्टेशन, यार्ड और पिट लाइन, एसआरवीए स्टेशन, केडीएलपी स्टेशन, ए केबिन, जीई लोकोमोटिव शेड और खारी रोहर में सड़क टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति (01 वर्ष के लिए)	1,61,18,053.25	2,30,600.00

निविदा की अंतिम तिथि और समय: दिनांक 23/09/2025 समय 15:00 बजे **कार्यालय का पता:** वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (सम.) अहमदाबाद, डी.आर.एम. कार्यालय, चामुंडा ब्रिज के पास, नई स्वदेशी मिल के सामने, नरोडा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद- 382345 ई-टेंडर में भाग लेने के लिए **वेबसाइट: www.ireps.gov.in**

ADI 147

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

ठाणे मनपा क्षेत्र में पाँचवें दिन 8984 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन, 06 टन से अधिक निर्माल्य एकत्रित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे मनपा क्षेत्र में पाँचवें दिन गणेश प्रतिमा विसर्जन रविवार को भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस वर्ष पांचवे दिन क्षेत्र में 8984 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इनमें से 4811 प्रतिमाएँ शाडू मिट्टी से और 4173 मूर्तियाँ पीओपी से बनी थीं। ठाणे मनपा द्वारा पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव की अवधारणा को क्रियान्वित कर मिसाल कायम करने वाली वैकल्पिक गणेश विसर्जन व्यवस्था के अंतर्गत निर्मित कृत्रिम तालाबों में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को इस वर्ष भी श्रद्धालुओं ने अच्छी प्रतिक्रिया दी। इसी प्रकार मनपा के गणेश प्रतिमा स्वीकृति केंद्र में प्राप्त कुल 25 गणेश प्रतिमाओं और चलित विसर्जन व्यवस्था में 62 गणेश प्रतिमाओं का विधिवत विसर्जन किया गया। उच्च न्यायालय के आदेशानुसार, छह फीट तक की मूर्तियों का विसर्जन कृत्रिम तालाब में और उससे बड़ी मूर्तियों का विसर्जन खाड़ी के घाटों पर किया जा रहा है। कुछ श्रद्धालुओं ने छोटी मूर्तियों का भी खाड़ी में विसर्जन करने पर जोर दिया। मनपा और पुलिस प्रशासन द्वारा उनसे बार-बार कृत्रिम तालाब में विसर्जन करने का अनुरोध किया गया। इसी पृष्ठभूमि में, मनपा ने नागरिकों से अपील की है कि वे सप्तमी और ग्यारहवीं तिथि को भी छह फीट तक की मूर्तियों का विसर्जन कृत्रिम तालाब में करें। मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने बताया कि कृत्रिम तालाब, चल विसर्जन दल, तालाब, स्वीकृति केंद्र पर सभी मूर्तियों के विधिवत विसर्जन के बाद, जल तल में जमा होने वाली मिट्टी की तलछट का प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार प्रसंस्करण किया जाएगा। श्रद्धालुओं द्वारा 06 टन से अधिक निर्माल्य दान इस वर्ष, ठाणे मनपा के ठोस अपशिष्ट विभाग की खाद परियोजना में निर्माल्य जमा किया गया, जिसका उपयोग जैव-खाद विधि से खाद बनाने के लिए किया जाएगा। ये जैव-खाद परियोजनाएँ कोलशेत, कौसा और ऋतु पार्क में संचालित हैं। पाँचवें दिन गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान 06 टन से अधिक निर्माल्य एकत्र किया गया। इस निर्माल्य का प्रसंस्करण कर जैविक खाद बनाई जाएगी। साथ ही, निर्माल्य के अजैवनिम्नीकरणीय घटकों को वर्गीकृत कर पुनर्चक्रण के लिए भेजा जाएगा।

अंबरनाथ में 31 अगस्त भटके विमुक्ति दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. महाराष्ट्र सरकार द्वारा भटके विमुक्त समाज को सम्मान और पहचान देने के लिए इस वर्ष से 31 अगस्त को भटके विमुक्त वर्ष मनाने की घोषणा की है जिसके उपलक्ष में अंबरनाथ शहर में नागपंथी डावरी गोसावी भटके विमुक्त सेवा संस्था द्वारा 31 अगस्त को शहर में एक भव्य रैली का आयोजन किया गया। रविवार को ठाणे जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों और संस्थाओं के सहयोग से अंबरनाथ शहर में एक भव्य रैली और सभा का आयोजन किया गया। अंबरनाथ पश्चिमी के सर्कस मैदान स्थित भटके विमुक्त समाज की बस्ती से पारंपरिक वेशभूषा में एक रैली निकाली गई और महात्मा गांधी विद्यालय तक पहुंची।

शहर के भटके विमुक्त समाज के नेता नागपंथी डावरी और गोसावी भटके विमुक्त सेवा संस्था के अध्यक्ष भीमराव इंगोले के नेतृत्व में पोटराज, गोंधली, गुबुवाले समाज के सभी लोगों ने सर्कस मैदान से इस रैली को निकाला। रैली में समाज के सभी लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर संविधान के सम्मान, समानता का हक और शिक्षा के प्रसार के नारे लिखे हुए तख्तियां अपने हाथों में ले रखी थी। इसके साथ ही उन्होंने पारंपरिक नृत्य और कलाओं का भी प्रदर्शन किया। सर्कस मैदान से प्रारंभ हुई यह रैली महात्मा गांधी विद्यालय में आकर समाप्त हुई। इस रैली में अध्यक्ष भीमराव इंगोले, उपाध्यक्ष दादाराव भोसले, महासचिव लक्ष्मण शिर्के, संयुक्त सचिव यलगुरी शिर्के सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा बड़ी संख्या में घुमंतू एवं विमुक्त सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।गौरतलब करने वाली बात यह है कि भटके विमुक्त समाज के लोगों को ब्रिटिश हुकूमत ने 1871 के क्रिमिनल ट्राइब एक्ट बनाकर इन जातियों को आपराधिक जाति घोषित कर दिया था। 15 अगस्त 1947 को भारत के ब्रिटिश हुकूमत से आजादी मिलने के बाद भी लगभग 5 वर्ष 16 दिन बाद 31 अगस्त 1952 में भारत सरकार द्वारा इस अमानवीय कानून को समाप्त करने के बाद ही इन193 जातियों को आजादी मिली थी। आजादी के इतने वर्षों बाद भी ये जातियां आज भी शिक्षा, आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक रूप से पिछड़ी हुई अवस्था में जीवन यापन कर रहीं है।

फास्ट ट्रैक

हाईटेंशन लाइन से मजदूर झुलसा

मालगाड़ी से माल उतारते समय करंट लगा, शरीर से निकला धुआं

शाहजहांपुर, रोजा थाना क्षेत्र में एक मजदूर हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। घटना सोमवार को उस समय हुई, जब मजदूर मालगाड़ी से माल को ट्रक में लोड कर रहा था। मजदूर जब ट्रक के ऊपर चढ़कर ट्रेन के डिब्बे पर गया, तभी ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगते ही वह ट्रेन के ऊपर गिर गया। उसके शरीर से धुआं निकलने लगा। मौके

पर मौजूद अन्य मजदूरों ने तुरंत उसे बचाने की कोशिश की। घायल मजदूर को एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा गया। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। दैनिक भास्कर वायरल वीडियो की पुष्टि नही करता है । रोजा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि घायल मजदूर का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस अन्य मजदूरों की मदद से उसके परिवार की जानकारी जुटा रही है। रोजा थाना क्षेत्र में यह रैक मालगाड़ी से ट्रकों में माल लोड करने के लिए इस्तेमाल की जाती है।

ठाणे में श्री एकनाथ भानुदास धमाल सहायक निदेशक एवं सरकारी अभियोजक नियुक्त

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग ने राज्य के 30 अतिरिक्त सरकारी अभियोजकों को पदोन्नत कर उन्हें सहायक निदेशक एवं सरकारी अभियोजक नियुक्त किया है। इस पदोन्नति में ठाणे जिले के अतिरिक्त सरकारी अभियोजक एकनाथ भानुदास धमाल का चयन कर ठाणे में नियुक्ति की गई है। धमाल को 2002 में महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक सरकारी अभियोजक (ग्रुप-ए) के रूप में चुना गया था। इसके बाद, उन्होंने मुंबई, रायगढ़ और ठाणे जिलों की अदालतों में सरकार की ओर से प्रभावी ढंग से कार्य किया। उन्होंने प्रवीण महाजन की गिरफ्तारी और रिमांड कार्यवाही तथा अजमल कसाब की गिरफ्तारी और रिमांड कार्यवाही जैसे महत्वपूर्ण मामलों में सरकार का सफलतापूर्वक प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2021 में उन्हें अतिरिक्त लोक अभियोजक के रूप में पदोन्नत किया गया। ठाणे और बेलापुर न्यायालयों में कार्य करते हुए, उन्होंने दोषसिद्धि दर में उल्लेखनीय वृद्धि की है और कई गंभीर मामलों में अभियुक्तों को दोषी ठहराया है। अब सहायक निदेशक और लोक अभियोजक के रूप में धमाल को ठाणे और पालघर जिलों में कार्यालय प्रशासनिक कार्य, अधीनस्थ लोक अभियोजकों के न्यायिक कार्यों का मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण, अपराधों की जांच पर जांच एजेंसियों को फीडबैक देना, सरकार की विभिन्न समितियों में कार्य करना और कानूनी संगोष्ठियों का आयोजन जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।ऐसा माना जाता है कि धमाल की इस पदोन्नति से ठाणे जिले में अभियोजन विभाग की दक्षता और न्याय वितरण प्रक्रिया की प्रभावशीलता में और वृद्धि होगी।

नागरिकों की शिकायत के लिए जिलाधिकारी द्वारा व्हाट्सएप नंबर की घोषणा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे (युनिस खान) ठाणे जिले के नागरिकों के लिए जिलाधिकारी कार्यालय, ठाणे में व्हाट्सएप के माध्यम से अपनी शिकायतें/समस्याएँ दर्ज कराने हेतु एक व्हाट्सएप नंबर 9930001185 की घोषणा की गई है। इस नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से शिकायत दर्ज कराते समय, जिस विभाग से शिकायत संबंधित है उसका नाम उचित रूप से लिखें और शिकायतकर्ता को अपना पूरा नाम, आवासीय पता, ईमेल और मोबाइल नंबर भी बताना होगा। इस व्हाट्सएप पर अपनी शिकायत से संबंधित कोई भी अनावश्यक शुभकामना संदेश, फोटो, वीडियो या अन्य संदेश न भेजें। यह सुविधा कॉल करने के लिए नहीं, बल्कि केवल संदेशों के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए है। संदेशों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर विचार किया जाएगा। शिकायतकर्ता को एक ही शिकायत बार-बार दर्ज नहीं करानी चाहिए। जिलाधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने कहा कि शिकायत एक ही बार में भेजी जानी चाहिए और उसका रिकॉर्ड रखा जाएगा।

चुनाव आयोग ने 'राष्ट्रीय अंत्योदय कांग्रेस' पार्टी का पंजीकरण रद्द करने का जारी किया नोटिस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , केंद्रीय चुनाव आयोग ने राजनीतिक दल 'राष्ट्रीय अंत्योदय कांग्रेस' को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पिछले छह वर्षों से, यानी 2019 से, इस पार्टी ने कोई चुनाव नहीं लड़ा है। इसलिए, आयोग का मानना ?? है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के अनुसार, इस पार्टी ने राजनीतिक दल के रूप में कार्य करना बंद कर दिया है। इसी कारण, आयोग ने पार्टी का पंजीकरण रद्द करने का निर्णय लिया है। हालाँकि, कार्रवाई करने से पहले, पार्टी को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया है। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार, 'राष्ट्रीय अंत्योदय कांग्रेस' पार्टी का गठन चुनावों में भाग लेने के लिए किया गया था। हालाँकि, 2019 से, इस पार्टी ने लोकसभा, राज्य विधानसभा या किसी भी उपचुनाव में एक भी उम्मीदवार नहीं उतारा है। इसके कारण, आयोग का कहना है कि यह पार्टी अब धारा 29ए के अनुसार राजनीतिक दल के मानदंडों का पालन नहीं करती है। विइस नोटिस का जवाब देने के लिए पार्टी को 4 सितंबर, 2025 तक का समय दिया गया है। पार्टी को लिखित स्पष्टीकरण, संबंधित दस्तावेज और अध्यक्ष या महासचिव का हलफनामा प्रस्तुत करना आवश्यक है। इस मामले में 11 सितंबर, 2025 को मुंबई स्थित महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय में सुनवाई होगी। इस सुनवाई में पार्टी अध्यक्ष, महासचिव या पार्टी प्रमुख का उपस्थित होना अनिवार्य है। यदि पार्टी निर्धारित समय के भीतर जवाब नहीं देती है या सुनवाई में शामिल नहीं होती है, तो उचित कार्रवाई की जाएगी। यह नोटिस चुनाव आयोग के उप सचिव और संयुक्त मुख्य चुनाव अधिकारी मनोहर पारकर के हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

3000 नहीं देने पर इलाज नहीं किया, बच्ची की मौत

जलालाबाद में परिजनों का आरोप, अस्पताल में हंगामा

जलालाबाद, एक निजी अस्पताल पर गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। दस्त और उल्टी से पीड़ित 2 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि पैसों के अभाव में डॉक्टर ने इलाज से मना कर दिया। घटना जलालाबाद चौराहे स्थित डॉक्टर अभिषेक अग्रवाल के अस्पताल की है। विनीता पत्नी कुंवर पाल अपनी बेटी कामिनी को रविवार रात से दस्त और उल्टी की शिकायत के बाद अस्पताल लेकर पहुंची। अस्पताल कर्मियों ने 500 रुपए लेकर ड्रिप लगाई और कहा कि आगे का इलाज 3000 रुपए जमा करने पर ही शुरू होगा। पैसों की व्यवस्था के लिए विनीता की बहन पूजा अपने गहने गिरवी रखने बाजार गई। लेकिन सुबह होने के कारण सराफा की दुकानें बंद थीं। इस बीच डॉक्टर ने बच्ची को कुछ दवाएं दीं। जब तक पूजा लौटकर आई, तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। मृतका की मौसी पूजा का आरोप है कि अस्पताल में बच्चों के इलाज के नाम पर लूट की जाती है। पैसों के

अभाव में इलाज न करने से उनकी भांजी की मौत हुई है। डॉक्टर ने मौत के बाद उन्हें सरकारी अस्पताल जाने को कहा, जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। विनीता मूल रूप से चमरपुरा गांव की रहने वाली हैं। वर्तमान में वह जलालाबाद में कुशवाहा छात्रावास के पास किराए के मकान में रहती हैं। उनके पति हरियाणा में मजदूरी करने गए हुए हैं।

महाविकास अघाड़ी कार्यकर्ताओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा - अमित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,ठाणे शहर में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। दिवंगत नगर सेवक के नाम से एक फेसबुक अकाउंट खोला जा रहा है और उस पर सत्ताधारी पार्टी पर निशाना साधा जा रहा है। इस बीच, ₹इस मामले में पुलिस ने कुछ लोगों की शिकायत पर एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। हालाँकि, यह देखा गया है कि संदिग्ध को हिरासत में लिए जाने के बाद भी उक्त फेसबुक अकाउंट से पोस्ट किए जा रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि पुलिस ने सत्ताधारी दल के दबाव में एक निर्दोष युवक को हिरासत में लिया है। पुलिस को इस युवक को तुरंत रिहा करना चाहिए, अन्यथा इस दमन के खिलाफ एक जन आंदोलन शुरू किया जाएगा,₹ एनसीपी-शरद चंद्र पवार पार्टी के पूर्व नगर सेवक अमित सरैया ने चेतावनी दी। पिछले कुछ दिनों से फेसबुक पर दिवंगत भाजपा पूर्व नगर सेवक विलास कांबले (https:// www. facebook. com/share/1CT4gFSgq9/)के नाम से एक अकाउंट चल रहा है। इन अकाउंट से शिवसेना से जुड़े पूर्व नगर सेवकों की आलोचना करने वाले पोस्ट किए जा रहे हैं। इसी मामले में, शिवसैनिकों की शिकायत पर श्रीनगर पुलिस ने शिवसेना (युबीटी) के चंद्रेश यादव को हिरासत में लिया था। इस बार, तथ्यों का पता लगाने के लिए जब राकांपा-शरद चंद्र पवार पार्टी के पूर्व नगर सेवक अमित सरैया गए, तो उन्हें धक्का देने की कोशिश की। तभी, जब पूर्व भाजपा के पूर्व नगर सेवक और दिवंगत विलास के भाई सुरेश कांबले श्रीनगर थाने गए। कांबले ने आरोप लगाया कि शिवसैनिकों ने थाने में उनकी पिटाई की। इस संबंध में अमित सरैया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि श्रीनगर थाना शिवसेना की एक शाखा बन गया है। स्थानीय शिवसेना नेता यहाँ अपनी मनमानी कर रहे हैं। चंद्रेश यादव एक गरीब परिवार का लड़का है और उसे पुलिस ने बेवजह हिरासत में लिया और पीटा। अगर चंद्रेश यादव फर्जी अकाउंट चला रहा था, तो उसकी हिरासत के कुछ घंटे बाद ₹टाइगर अभी ज़िंदा है₹ जैसी पोस्ट कैसे आ गई ? जब चंद्रेश के माता-पिता ने उसे बुलाया, तो उसने थाने जाकर अपनी बात रखने की कोशिश की। लेकिन, उसने आरोप लगाया कि अंग्रेजों जैसा व्यवहार करने वाली पुलिस ने उसकी एक नहीं सुनी।

सेक्युलर अलायंस ऑफ इंडिया पार्टी का पंजीकरण रद्द करने का नोटिस जारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,केंद्रीय चुनाव आयोग ने राजनीतिक दल 'सेक्युलर अलायंस ऑफ इंडिया' को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस दल ने पिछले छह वर्षों से, यानी 2019 से, लोकसभा या कोई भी राज्य विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। इस कारण, आयोग का मानना है कि यह दल जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के अनुसार राजनीतिक दल के रूप में कार्य नहीं कर रहा है। इसलिए, आयोग ने इस दल का पंजीकरण रद्द करने का निर्णय लिया है। हालाँकि, कार्रवाई करने से पहले दल को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया है। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार, किसी भी संगठन को राजनीतिक दल के रूप में पंजीकृत करने का मुख्य उद्देश्य चुनावों में भाग लेना होता है। हालाँकि, 'सेक्युलर अलायंस ऑफ इंडिया' पार्टी ने 2019 के बाद से किसी भी चुनाव में एक भी उम्मीदवार नहीं उतारा है। इसलिए, आयोग का स्पष्ट मत है कि यह पार्टी अब एक राजनीतिक दल के मानदंडों के अनुसार काम नहीं कर रही है। इस नोटिस का जवाब देने के लिए पार्टी को 4 सितंबर, 2025 तक का समय दिया गया है। पार्टी को यह जवाब एक लिखित बयान, संबंधित दस्तावेजों और अध्यक्ष या महासचिव के हलफनामे के साथ प्रस्तुत करना आवश्यक है। इस मामले में सुनवाई की तारीख 11 सितंबर, 2025 तय की गई है। यह सुनवाई महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी, मंत्रालय, मुंबई के कार्यालय में होगी। इस सुनवाई में पार्टी अध्यक्ष या महासचिव का उपस्थित होना अनिवार्य है। यदि पार्टी निर्धारित समय के भीतर जवाब नहीं देती है या सुनवाई में शामिल नहीं होती है, तो बिना किसी और नोटिस के उचित कार्रवाई की जाएगी, चुनाव आयोग के उप सचिव और संयुक्त मुख्य चुनाव अधिकारी मनोहर पारकर के हस्ताक्षर से एक नोटिस जारी किया गया है।

आवारा पशुओं से ग्रामीणों को मुसीबत

- मुजहरा के गोहानी में सड़कों पर घूम रहे पशु, दुर्घटनाओं का खतरा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश के मुजहरा न्याय पंचायत के गोहानी क्षेत्र में आवारा पशुओं की समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। सड़कों पर घूम रहे छुट्टा पशुओं के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

मोटरसाइकिल सवार इन पशुओं से टकराकर घायल हो रहे हैं। स्थानीय किसानों का कहना है कि वे अपनी फसलों की रखवाली के लिए घर छोड़कर खेतों में रहने को मजबूर हैं। गोहानी से लगे कई मजरों में यह समस्या विकराल रूप ले चुकी है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि प्रशासन इस समस्या को हल करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहा है। ब्लॉक के कर्मचारियों द्वारा खंड विकास अधिकारी को इस समस्या से अवगत कराया गया है। लेकिन अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों की मांग है कि आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला भेजा जाए। इससे सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा और किसानों की फसलें भी सुरक्षित रहेंगी।

रिलायंस थर्मल पावर में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

ड्यूटी पर गए स्वस्थ कर्मचारी का मिला शव, परिजनों को नहीं दी गई सूचना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, रिलायंस थर्मल पावर में एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक श्रीराम वर्मा (48) थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के पसियानी गांव के रहने वाले थे। श्रीराम नाइट शिफ्ट ड्यूटी के लिए निकले थे। रात करीब एक बजे उनके एक रिश्तेदार को मौत की सूचना किसी वर्कर द्वारा दी गई। परिवार जब राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचा तो शव मॉर्चरी में रखा मिला। मृतक के बेटे अरुण के अनुसार,

उनके पिता पूरी तरह स्वस्थ थे। शाम साढ़े चार बजे उनसे फोन पर बात हुई थी। रात में मां के साथ खाना खाया था और तबीयत भी ठीक थी। बेटे का आरोप है कि कंपनी ने इमरजेंसी नंबर पर परिवार को सूचना नहीं दी। आरसी मिशन थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दहेज और बेटी के जन्म पर पत्नी से मारपीट

शाहजहांपुर में महिला ने पति समेत 5 लोगों पर दर्ज कराया मुकदमा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना परौर क्षेत्र में एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है। नसरूम बानो की शादी 5 जून 2023 को बदायूं जिले के उसहैत थाना क्षेत्र के मझिन नगरा निवासी मुस्लिम खान से हुई थी। पीड़िता के परिवार ने शादी में अपनी हैसियत के अनुसार करीब 5 लाख रुपये खर्च किए थे।

आरोप है कि पति मुस्लिम खान, सास गुड्डी, ससुर असलम, देवर सलीम और ननद हीना दहेज में संतुष्ट नहीं थे। वे सोने के झाले, सोने की चैन और एक लाख रुपये की अतिरिक्त मांग कर रहे थे। नसरूम की दो बेटियां हैं - डेढ़ वर्षीय हेरा और 21 दिन की सबनूर। दूसरी बेटी के जन्म के बाद ससुराल वालों का व्यवहार और भी खराब हो गया। 13 जुलाई 2025 को सभी ने

मिलकर उन्हें बंधक बनाकर मारपीट की। अगले दिन जब पीड़िता के पिता ससुराल पहुंचे, तो उनके साथ भी मारपीट की गई। इसके बाद पति मुस्लिम खान अपनी पत्नी को बाइक पर बिठाकर कुनिया मोड पर छोड़कर चले गए। तब से पीड़िता अपने मायके में रह रही है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

दबंगों ने कोटेदार को पीटा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, दबंगों ने कोटेदार और बीच-बचाव करने वालों को निशाना बनाया। थाना आरसी मिशन क्षेत्र के कनेंग गांव स्थित हाइवे पर 31 अगस्त की रात को यह घटना हुई। फार्म हाउस पर बैठे शरद कुमार सिंह के सामने दो कारें आकर रुकीं। रौसर कोठी निवासी संतोष सिंह और गवारी निवासी मोहन अवस्थी अपने चार साथियों के साथ पहुंचे। उन्होंने दूसरी कार में बैठे हरपाल सिंह, लालू और एक अन्य व्यक्ति पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शरद कुमार ने जब बीच-बचाव की कोशिश की तो संतोष सिंह ने उन पर तमंचे से फायर कर दिया। शरद बाल-बाल बच गए। इसके बाद अन्य आरोपियों ने भी फायरिंग की। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित शरद कुमार ने बताया कि उनका इस विवाद से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने मदद मांगने पर बीच-बचाव की कोशिश की थी। उनके पिता पूर्व ब्लॉक प्रमुख रहे हैं और परिवार की एक महिला जिला पंचायत सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि हम व्यापार करते हैं। मेरा किसी से कोई विवाद नही होता। उन्होने कहा कि फायरिंग करने वाला आरोपी संतोष सिंह हिस्ट्रीशीटर है। उसके बारे में सभी जानते हैं। उसके उपर अगर कार्रवाई नही हुई और अगर मेरे परिवार को कुछ होता है तो उसका जिम्मेदार प्रशासन होगा। घटना के बाद आरोपी संतोष ने फोन पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने संतोष सिंह, मोहन अवस्थी और चार अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपियों की तलाश जारी है। पीड़ित ने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

भारत पर एक्शन लेने को यूरोपीय देशों को उकसा रहे थे ट्रंप

इधर रूस ने एव चीफ का प्लेन ही जाम कर दिया

ट्रंप अब अमेरिका तक सीमित नहीं रहना चाहते हैं। उन्होंने साफ संदेश यूरोपीय देशों को दिया। उनका कहना है कि ईयू देश भी भारत पर दबाव डाले और भारत से तेल खरीदना बंद करे। वैसे देखा जाए तो यूरोपियन दिखावे में ट्रंप का साथ दे रहे हैं, लेकिन पीछे में रूस से एनर्जी डील भी कर रहे हैं। अमेरिका इससे नाराज है। व्हाइट हाउस को लगता है कि यूरोप का रवैया इस युद्ध को लंबा खींच रहा है। इसलिए अब अमेरिका चाहता है कि यूरोप भी भारत पर टैरिफ व प्रतिबंध लगाए।

एजेंसी

इस बात की चर्चा तेज हो चली है कि क्या भारत और अमेरिका के रिश्तों में दरार गहराती जा रही है। पहले तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया और अब यूरोपीय देशों को भी भारत के खिलाफ खड़ा होने का ऑर्डर दे रहे हैं। ट्रंप का आरोप है कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदता है और रूस की इकोनॉमी को सपोर्ट करता है। उनका कहना है कि यही पैसा रूस-यूक्रेन युद्ध में झोंका जा रहा है। ट्रंप अब अमेरिका तक सीमित नहीं रहना चाहते हैं। उन्होंने साफ संदेश यूरोपीय देशों को दिया। उनका कहना है कि ईयू देश भी भारत पर दबाव डाले और भारत से तेल खरीदना बंद करे। वैसे देखा जाए तो यूरोपियन दिखावे में ट्रंप का साथ दे रहे हैं, लेकिन पीछे में रूस से एनर्जी डील भी कर रहे हैं। अमेरिका इससे नाराज है। व्हाइट हाउस को लगता है कि यूरोप का रवैया इस युद्ध को लंबा खींच रहा है। इसलिए अब अमेरिका चाहता है कि यूरोप भी भारत पर टैरिफ व प्रतिबंध लगाए। लेकिन इन सब के बीच यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष के साथ एक बड़ी घटना घट गई है। कहा जा रहा है कि इस घटना में भारत के पक्के दोस्त रूस का हाथ है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन को ले जा रहे विमान को बुल्गारियाई हवाई क्षेत्र में जीपीएस जाम करके निशाना बनाया गया।

कहा जा रहा है कि इस घटना में रूस का हाथ है। रूस और बेलारूस की सीमा से लगे यूरोपीय संघ के देशों की वॉन डेर लेयेन की यात्रा के तहत प्लोवदिव हवाई अड्डे के लिए रवाना हुए विमान का जीपीएस सिग्नल हवाई अड्डे के पास पहुँचते ही टूट गया। हालाँकि, उनका विमान सुरक्षित उतर गया। पोडेस्टा ने कहा कि हम निश्चित रूप से पुष्टि कर सकते हैं कि जीपीएस जाम हो गया था। हमें बल्गेरियाई अधिकारियों से जानकारी मिली है कि उन्हें संदेह है कि यह रूस के स्पष्ट हस्तक्षेप के कारण हुआ था। पोडेस्टा ने कहा कि यह घटना वास्तव में उस मिशन की तात्कालिकता को रेखांकित करती है जिसे राष्ट्रपति अग्रिम पंक्ति के सदस्य देशों में चला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि वॉन डेर लेयेन ने रूस और उसके सहयोगियों से आने वाले खतरों की रोजमर्रा की चुनौतियों को प्रत्यक्ष रूप से देखा है।

ट्रम्प के सलाहकार बोले-रूसी तेल से भारतीय ब्राह्मणों को मुनाफा

कीमत पूरा देश चुका रहा; भारत के चीन-रूस के करीब जाने से दुनिया में अशांति फैलेगी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने भारतीय ब्राह्मणों पर रूसी तेल खरीद कर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत के ब्राह्मण रूसी तेल से मुनाफा कमा रहे हैं, जिसकी कीमत पूरा भारत चुका रहा है। नवारो ने कहा कि भारत रूस से तेल खरीदकर उसे यूक्रेन पर हमला करने के लिए पैसे दे रहा है। इसलिए सबसे ज्यादा टैरिफ झेल रहा है। इससे रूस और अमेरिका को नुकसान नहीं हो रहा है, बल्कि आम भारतीयों को हो रहा है। यह बात उन्हें समझनी चाहिए। नवारो ने भारत को ह्यरूस की धुलाई मशीनह्न कहा

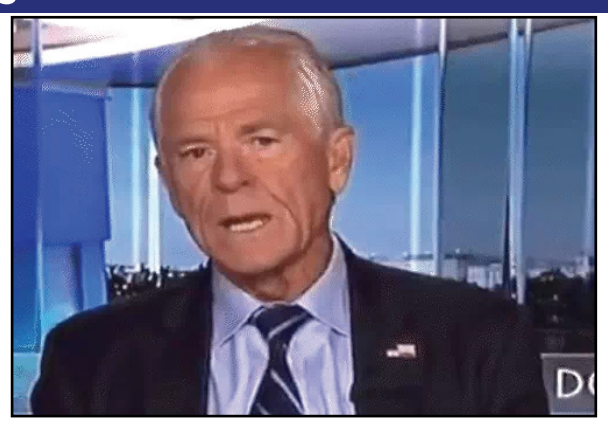

और आरोप लगाया कि भारत न सिर्फ व्यापार असंतुलन बढ़ा रहा है, बल्कि ऐसे गठजोड़ भी मजबूत कर रहा है, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं। कांग्रेस बोली- अमेरिका को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को पीटर नवारो की विवादित टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस तरह के निराधार बयान नहीं देने चाहिए। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (एअउ) के सदस्य और जाने-माने अर्थशास्त्री संजीव सान्याल ने भी नवारो की टिप्पणी को गलत ठहराया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह बयान बताता है कि अमेरिका के बौद्धिक क्षेत्रों में भारत के प्रति किस तरह के पूर्वाग्रह हावी हैं। यह सोच सीधे तौर पर 19वीं सदी के जेम्स मिल जैसे औपनिवेशिक लेखकों की विरासत है। इससे पहले भी नवारो ने ब्लूमबर्ग टीवी के इंटरव्यू में रूस-यूक्रेन जंग को मोदी की जंग बताया था। उन्होंने कहा था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और ऊंची कीमत पर बेचता है। इससे रूस को जंग के लिए पैसा मिलता है और वो यूक्रेन पर हमला करता है। नवारो ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस और चीन के साथ भारत के बढ़ते संबंध दुनिया के लिए खतरा बन सकते हैं। उन्होंने कहा- भारत तुम तानाशाहों के साथ मिल रहे हो। चीन ने अक्साई चिन और तुम्हारे कई इलाके पर कब्जा कर लिया।

और रूस? जाने भी दो। ये आपके दोस्त नहीं हैं। नवारो ने कहा था कि अगर आज भारत, रूस से तेल खरीदना बंद कर दे तो अमेरिका कल से उसका 25% टैरिफ खत्म कर देगा। पीटर नवारो को ट्रम्प अपना सबसे करीबी सलाहकार मानते हैं।

पाकिस्तान विमान दुर्घटना: पाकिस्तानी सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, 5 लोगों की मौत

गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक के अनुसार, थोर घाटी के हुदुर गाँव में एक नए प्रस्तावित हेलीपैड पर परीक्षण लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

एजेंसी

पाकिस्तान का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। गिलगित-बाल्टिस्तान के डायमर ज़िले की थोर घाटी में सोमवार सुबह पाकिस्तानी सेना का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार सभी पाँच कर्मियों की मौत हो गई। गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक के अनुसार, थोर घाटी के हुदुर गाँव में एक नए प्रस्तावित हेलीपैड पर परीक्षण लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तकनीकी खराबी के कारण हुई इस दुर्घटना में दो पायलट और तीन तकनीकी चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई। फारक ने एक बयान में कहा चिलास के थोर में हमारा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। तकनीकी खराबी के कारण लैंडिंग के दौरान यह दुर्घटना हुई। ट डायमर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अब्दुल हमीद ने बताया कि दुर्घटना के समय हेलीकॉप्टर नियमित जाँच में लगा हुआ था। उन्होंने पुष्टि की, दो पायलटों सहित पाँच लोगों के हताहत होने की सूचना है। हालाँकि शुरूआती रिपोर्टों से पता चलता है कि तकनीकी खराबी के कारण यह दुर्घटना हुई, लेकिन अभी तक सटीक कारण का पता नहीं चल पाया है। इसी साल 15 अगस्त को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के मोहमंद ज़िले में एक और टक-17 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हेलीकॉप्टर बाढ़ राहत अभियान में लगा था और प्रभावित इलाकों में रसद पहुँचा रहा था, तभी खराब मौसम के कारण यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में दो पायलटों समेत पाँच लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान में हाल के वर्षों में कई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएँ हुई हैं। 28 सितंबर, 2024 को, तेल कंपनी के कर्मचारियों को ले जा रहा एक चार्टर्ड हेलीकॉप्टर उत्तरी वजीरिस्तान में उड़ान के दौरान इंजन फेल होने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास किया, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई। इससे पहले, 25 सितंबर, 2022 को बलूचिस्तान में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में छह पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों की जान चली गई थी। पिछले कुछ वर्षों में ऐसी कई दुर्घटनाओं ने देश में विमानन सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ा दी हैं।

ट्रम्प का दावा- भारत अमेरिका पर टैरिफ घटाने को तैयार

कहा- अब देर हो चुकी, भारत को पहले ही टैरिफ कम कर देना चाहिए था

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को दावा किया कि भारत ने अब अमेरिका पर टैरिफ कम करने की पेशकश की है, लेकिन काफी देर हो चुकी है। उन्होंने भारत के साथ व्यापार संबंधों को 'एकतरफा' बताते हुए कहा कि भारत अमेरिका को बहुत सारा सामान बेचता है, लेकिन अमेरिका भारत को बहुत कम सामान बेच पाता है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि भारत ने अमेरिकी सामानों पर बहुत ज्यादा

टैरिफ लगाए, जिससे अमेरिकी कंपनियों को भारत में सामान बेचना मुश्किल हो गया। यह पूरी तरह से एकतरफा आपदा रही है! उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर तेल और मिलिट्री उपकरण रूस से खरीदता है, न कि अमेरिका से। ट्रम्प ने इसे सालों पुरानी दिक्कत बताया और कहा कि भारत को पहले ही टैरिफ कम कर देना चाहिए था। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब कुछ घंटे पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने रउड समिट के दौरान चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की है। दूसरी तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यह 21वीं सदी की सबसे खास साझेदारी है। उन्होंने कहा कि इस महीने दोनों देश अपने लोगों, तरक्की और नई संभावनाओं पर ध्यान दे रहे हैं। नई तकनीक, कारोबार, रक्षा और आपसी रिश्तों से यह दोस्ती और गहरी हो रही है। मार्को रुबियो ने कहा- यह दोस्ती दोनों देशों के लोगों के प्यार और विश्वास से चलती है। दोनों देश मिलकर नए मौके तलाश रहे हैं, जैसे तकनीक, रक्षा और संस्कृति में एक-दूसरे का साथ देना। ट्रम्प के बयान से कुछ देर पहले ही उनके ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने भारतीय ब्राह्मणों पर रूसी तेल खरीद कर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया था।

पप्पू यादव का दावा: जब तक राहुल गांधी हैं, संविधान और लोकतंत्र सुरक्षित

एजेंसी

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने राहुल गांधी की 'मतदाता अधिकार यात्रा' के समापन पर दावा किया कि जब तक राहुल गांधी हैं, संविधान, लोकतंत्र और जनता सुरक्षित है। उन्होंने राहुल को जनता के अधिकारों का संरक्षक बताते हुए बिहार और देश के लिए उनके नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त किया, जो भाजपा पर 'वोट चोरी' के आरोपों के बीच विपक्षी एकजुटता दर्शाती है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तारीफ करते हुए पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने सोमवार को कहा कि जब तक कांग्रेस सांसद हैं, संविधान सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि बिहार ने एक नया मोड़ लिया है और राज्य में बदलाव की आवाज गूंज रही है। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में बदलाव की आवाज गूंज रही है... जब तक राहुल गांधी हैं, संविधान सुरक्षित है, लोकतंत्र सुरक्षित है, जनता सुरक्षित है और देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने लोगों के अधिकारों की रक्षा की जिम्मेदारी ली है और लोगों को उन पर पूरा भरोसा है। पप्पू यादव ने कहा कि इसलिए, बिहार और देश के अधिकारों की रक्षा के लिए राहुल गांधी ने जो यात्रा शुरू की है, आज पूरा बिहार, इंडिया गठबंधन के नेता और देश के युवा उनकी ओर विश्वास से देख रहे हैं। बिहार के युवा और गरीब पूरी तरह से राहुल गांधी के साथ खड़े हैं। पप्पू यादव मतदाता अधिकार यात्रा के समापन के दिन पटना में राहुल गांधी के साथ शामिल हुए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा कथित 'वोट चोरी' और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को उजागर करने के लिए राहुल गांधी द्वारा निकाली गई 16 दिवसीय यात्रा आज पटना में समाप्त हो रही है। यह रैली 18 अगस्त को राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के साथ सासाराम में शुरू हुई थी। वहाँ से, यह रैली औरंगाबाद, गयाजी, सीवान और अन्य 25 जिलों में फैली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता यूसुफ पठान और ललितेश पति त्रिपाठी भी पटना में अपने समापन दिवस पर राहुल गांधी के नेतृत्व वाली मतदाता अधिकार यात्रा में शामिल होने वाले हैं। कई अन्य इंडिया ब्लॉक नेता विभिन्न स्थानों पर यात्रा में शामिल हुए हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, सीपीआई (एमएल) महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन रैली में शामिल हुए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सहित अन्य मुख्यमंत्रियों ने भी यात्रा में भाग लिया।

वोट चोरी के 17 हजार सबूतों पर क्यों खामोश है ईसीआई?

अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग को बताया जुगाड़ आयोग

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को जुगाड़ आयोग करार देते हुए सवाल उठाया कि वह सपा के 17 हजार से अधिक शपथ पत्रों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) पर निशाना साधा है। बिहार चुनाव से पहले विपक्ष ने पूरी तरह से सरकार और चुनाव आयोग को वोटों की हेराफेरी के मामले में कटघरे में खड़ा कर रखा है। कांग्रेस सहित इंडिया ब्लॉक की पार्टियां सरकार और निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगा रही है लेकिन अभी तक किसी भी आरोप को सिद्ध नहीं कर पायी हैं। अब ताजा हमला अखिलेश यादव ने चुनाव अयोग पर लगाया है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूछा है कि जब वह एआई से घपला पकड़ सकता है, तो सपा के 17,986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। ये हलफनामे कथित तौर पर मतदाता सूची में हेराफेरी और वोट डकैती से संबंधित हैं, जिस पर आयोग की चुप्पी राजनीतिक गलियारों में बहस का विषय बनी हुई है। सपा के 17 हजार से अधिक शपथ पत्रों का जवाब क्यों नहीं दे रहा निर्वाचन आयोग समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को जुगाड़ आयोग करार देते हुए सवाल उठाया कि वह सपा के 17 हजार से अधिक शपथ पत्रों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। सपा प्रमुख यादव ने तंज कसते हुए अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा जब जुगाड़ आयोग एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से सवा करोड़ रुपये का अपना घपला पकड़ सकता है तो फिर हमारे द्वारा दिये गये 18,000 में से केवल 14 हलफनामों (शपथ पत्र) का जवाब देने के बाद बचे 17986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है? इस पोस्ट में यादव ने एक समाचार चैनल का वीडियो साझा किया है जिसमें यह दावा किया गया है कि एआई के जरिए पंचायत चुनाव के मद्देनजर सवा करोड़ मतदाता कम किए गए हैं। इसमें यह भी दावा किया गया है कि एआई के जरिए अलग अलग गांवों में डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान हुई है जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं।

के कविता का बीआरएस में बगावती तेवर, केसीआर को फंसाने में अपनों का हाथ, मैं खाल उधेड़ दूंगी!'

वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव और पूर्व राज्यसभा सांसद 'मेघा' कृष्णा रेड्डी ने केसीआर पर भ्रष्टाचार का ठप्पा लगाने में भूमिका निभाई। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पार्टी के भीतर साजिशों का सामना करना पड़ा और उन्होंने हरीश राव और संतोष कुमार पर भी उंगली उठाई। बीआरएस कार्यकर्ताओं को सोचना चाहिए कि केसीआर पर भ्रष्टाचार का दाग कैसे लग गया? यह उनके आस-पास के लोगों की वजह से है। हरीश राव और कृष्णा रेड्डी की इसमें भूमिका थी। मैंने हरीश राव और संतोष कुमार की सारी साज़िशें झेलीं।

एजेंसी

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के. कविता ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की छवि खराब करने के लिए सीधे तौर पर अपने ही सहयोगियों को ज़िम्मेदार ठहराकर पार्टी में खलबली मचा दी है। कविता ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव और पूर्व राज्यसभा सांसद 'मेघा' कृष्णा रेड्डी ने केसीआर पर भ्रष्टाचार का ठप्पा लगाने में भूमिका निभाई। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पार्टी के भीतर साजिशों का सामना करना पड़ा और उन्होंने हरीश राव और संतोष कुमार पर भी उंगली उठाई। उन्होंने कहा कि केसीआर पर भ्रष्टाचार का दाग कैसे लग गया? यह उनके आस-पास के लोगों की वजह से है। हरीश राव और कृष्णा रेड्डी की इसमें भूमिका थी। मैंने हरीश राव और संतोष कुमार की सारी साज़िशें झेलीं। उनकी यह टिप्पणी बीआरएस के भीतर चल रही आंतरिक कलह के बीच आई है, जहाँ कविता ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर केसीआर की छवि खराब करने और पार्टी के मामलों में उन्हें दरकिनार करने का आरोप लगाया है। कालेश्वरम सिंचाई परियोजना पर, कविता ने अपने पिता के दृष्टिकोण का बचाव करते हुए इसे एक महान संपत्ति बताया

देश जानता है लोकतंत्र के असली हत्यारे कौन हैं: सम्राट चौधरी

एजेंसी

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरा देश जानता है कि लोकतंत्र के हत्यारे कौन हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों से देश में लोकतंत्र स्थापित है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार कल्याणकारी कार्य कर रही है। चौधरी ने एएनआई से कहा कि पूरा देश जानता है कि लोकतंत्र के हत्यारे कौन हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार 11 वर्षों से चल रही है, पूरे देश में लोकतंत्र स्थापित हुआ है, यह जनता की सरकार है और लोगों के कल्याण के लिए काम किया जा रहा है। बिहार के उप-मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हालिया विवादास्पद टिप्पणी को लेकर विपक्ष की आलोचना की और पूछा कि क्या वे अपने द्वारा शुरू किए गए 'गाली-गलौज और अपमान' अभियान के लिए माफी मांगेंगे। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष इस मुद्दे पर माफी नहीं मांगता है तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री मोदी लगातार लोगों को न्याय दिला रहे हैं... मैं महागठबंधन के लोगों से पूछना चाहता हूँ: क्या आप इस 'गाली-गलौज और अपमान' अभियान को शुरू करने के लिए माफी मांगेंगे? अगर नहीं, तो आपको इसके परिणाम भुगतने होंगे। पिछले हफ़्ते, इंटरनेट पर एक कथित वीडियो वायरल हुआ था जिसमें आरोपी को इंडिया ब्लॉक के एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर अपशब्द कहते हुए दिखाया गया था। शुक्रवार को, बिहार में एक राजनीतिक रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत माँ को गालियाँ देने के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

(ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग)

सं.ए.ई./एसडब्ल्यूएम/एचडब्ल्यू/3688/जनरल/दिनांक 01.09.2025

अभिरुचि की अभिव्यक्ति विज्ञापन

एच/पश्चिम वार्ड, श्रम सहकारी समितियों, सेवा सहकारी समितियों, बेरोजगार सेवा सहकारी समितियों आदि के रूप में पंजीकृत और एच/पश्चिम वार्ड के अधिकार क्षेत्र में "माउंट मेरी मेला - 2025" के अंतर्गत नामांकित सभी इच्छुक स्थानीय निवासियों से लॉटरी प्रणाली के माध्यम से चयन हेतु आवेदन आमंत्रित करता है.

आवेदन पत्र एच/पश्चिम वार्ड कार्यालय में सहायक अभियंता (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) के कार्यालय से रु. 1452/- प्लस 18% जीएसटी नकद में (अप्रतिदेय) के भुगतान पर 02.09.2025 से 09.09.2025 तक सुबह 10.30 बजे से दोप. 01.00 बजे के बीच खरीदा जा सकता है. योजना के नियमों और शर्तों के अनुसार, सफल पात्र संगठनों को कार्य आवंटित किया जाएगा.

इच्छुक संगठन अधिक जानकारी, आवेदन पत्र और शपथ पत्र के नमूने के लिए एच/पश्चिम वार्ड ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं. आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि, यानी 09.09.2025 (शाम 4:00 बजे तक) के बाद जमा किए गए किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा.

हस्ता./-
सहायक आयुक्त, एच/पश्चिम

पीआरओ/1450/विज्ञा./2025-26

जलजन्य बीमारियों से बचाव के लिये पानी उबालकर और छानकर पियें.

संक्षेप

बारिश से खरीफ की फसल को नुकसान

गोमती नदी का जलस्तर बढ़ा, तराई क्षेत्र में जलभराव से किसान परेशान

सुलतानपुर, तहसील बल्दीराय क्षेत्र में स्थित ग्राम पंचायत बडनपुर में लगातार हो रही बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बारिश के कारण तराई क्षेत्र में जल जमाव की स्थिति बन गई है। खरीफ और धान की फसलें जलमग्न हो गई हैं। किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। इस समस्या को और गंभीर बनाते हुए गोमती नदी का जल स्तर भी बढ़ रहा है। मौसम में सुधार न होने और बारिश जारी रहने से स्थिति और बिगड़ सकती है। स्थानीय किसान राकेश कुमार तिवारी, राम सुमिरन यादव, राम सहाय, रमाकांत तिवारी, सीताराम यादव, बृजेश कुमार, नीरज कुमार और अंकुर सहित अन्य लोग स्थिति में सुधार की आशा कर रहे हैं।

भदैंया के स्कूल और आंगनबाड़ी में चोरी

पन्नाटिकरी स्कूल से एमडीएम के बर्तन, सिलेंडर समेत कई सामान गायब

सुलतानपुर, कामतागंज के पन्नाटिकरी स्थित प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र में चोरी की वारदात हुई। चोरों ने रसोईघर और आंगनबाड़ी केंद्र का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। जब स्कूल खुला, तब चोरी का पता चला। चोरों ने स्कूल से लोहे की कड़ाही, मिड-डे मील की थालियां, गिलास, भगोना-ढक्कन, गैस सिलेंडर, बाल्टी और पानी की टंकी चुरा ली। इसके अलावा कुर्सी, बेंच और बच्चों के खेलने के सामान भी ले गए। एक छोटा बक्सा भी गायब है, जिसमें स्कूल के महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे थे। प्रधानाध्यापिका नीतू बरनवाल ने खंड शिक्षा अधिकारी को घटना की सूचना दे दी है। कोतवाली देहात थाने में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। फिलहाल बच्चों के भोजन की व्यवस्था के लिए बाजार से सामान मंगवाया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बंद दुकानों से बैटरी चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश

अमेठी-प्रतापगढ़ के 3 आरोपी गिरफ्तार, 20 बैटरी और अन्य सामान बरामद

सुलतानपुर, धम्मौर पुलिस ने बंद प्रतिष्ठानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान प्रतापगढ़ जिले के नगर कोतवाली अंतर्गत सगरा अफीम निवासी सचिन गौड़ एवं अमेठी के ग्राम घटकौर थाना पीपरपुर निवासी चंद्रकांत पाठक और रवि पाठक के रूप में हुई है। इनके पास से 17 बैटरी, मोटरसाइकिल बैटरी, खोलने के उपकरण, मोबाइल फोन और 1620 नकद बरामद किया गया है। सुल्तानपुर के कौशल इलेक्ट्रॉनिक दरियापुर, लाल ट्रेडर्स खैराबाद, प्रभात बैटरी गोलाघाट, हिंद बैटरी सर्विस लखनऊ नाका, इलेक्ट्रो विजन इलेक्ट्रॉनिक्स पंच रास्ता और सोनू बैटरी सर्विस गोलाघाट को शातिर चोर लंबे समय से चोरी की बैटरी सप्लाई कर रहे थे।

धार्मिक मेले में अश्लील डांस

भोजपुरी गानों पर जमकर लगे ठुमके, स्टेज पर युवक चढ़े तो हुआ बवाल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, धार्मिक मेले में जमकर अश्लील डांस हुआ। स्टेज पर 3 डांसर हिन्दी-भोजपुरी गानों पर थिरकती नजर आईं। युवाओं की टोली भी साथ में झूमते-मस्ती करते दिखे। कुछ लोगों ने स्टेज पर चढ़कर डांस कर रहीं लड़कियों पर नोट भी लुटाया। इस दौरान कुछ युवकों ने हंगामा किया। आयोजकों के साथ उनकी कहासुनी-धक्कामुक्की भी हुई। आयोजन कराने वाले युवक स्टेज से अन्य युवकों को भगाते नजर आए। मेजा खास के बोलन नाथ धाम में हर साल इस महीने के हरितालिका पर 2 दिवसीय मेला लगता है। मेले में बार-बालाओं ने भोजपुरी गानों पर जमकर डांस किया। यह मेला खासकर महिलाओं के लिए जाना जाता है। यहां बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे पहुंचते हैं। उसी

जगह पर अश्लील डांस से लोग असहज हो गए। मेले में सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात थी। थाना प्रभारी जीप से गश्त करते रहे, लेकिन अश्लील डांस होता रहा। मेजा तहसील क्षेत्र से लगभग 1 किमी दूर प्राचीन बाबा बोलनधाम मंदिर है। शिव के इस मंदिर में सोमवार को भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसा कहा जाता है कि शिवलिंग की स्थापना स्वयं पांडवों ने उस समय की थी, जब लक्षागृह स्थित लाख के किले में पांडवों को मारने के लिए कौरवों ने आग लगवा दी थी। पांचों भाई मां कुंती के साथ मेजा की पहाड़ी पर पहुंचे थे, पानी न मिलने पर गांडीव धनुष धारी अर्जन ने धनुष वाण चलाकर जमीन को भेद डाला था, उसी समय से बाबा बोलन धाम पर भूगर्भ जल निकल रहा है। बाबा धाम के पास 22 बीघे का तालाब है, भूगर्भ से निकलने वाला जल इसी में जाता रहता है। यह धार्मिक स्थल अभी तक उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। मंदिर के पुजारी भानु पांडे के आग्रह पर इलाहाबाद के मेयर उमेश गणेश प्रसाद केशरवानी द्वारा सरकार से जुलाई माह में 1 करोड़ 9 लाख की धनराशि मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए स्वीकृति की गई। जल्द ही इसका निर्माण शुरू कराया जाएगा। मेजा एसीपी एसपी उपाध्याय ने कहा- जो वीडियो वायरल हुआ है, उसे चेक कराया जा रहा है। अश्लीलता फैलाई गई है, तो जांच कराकर कार्रवाई करेंगे। मेजा के बोलन नाथ धाम में मेले का आयोजन करने वाले मेला प्रभारी अंकित साहू ने कहा- आरकेस्ट्रा कमेटी ने नहीं कराया।

क्रिप्टो करेंसी ठगी का मामला

27 लाख की धोखाधड़ी में साइबर क्राइम पुलिस ने पीड़िता को वापस दिलाए 12 लाख रुपये

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, साइबर अपराधों पर लगातार कार्रवाई करते हुए प्रयागराज साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक महिला को ऑनलाइन ठगी से राहत दिलाई है। टीम ने तेजी और तत्परता दिखाते हुए 27 लाख रुपये की ठगी में से 12 लाख रुपये वापस दिलाए। पुलिस की इस उपलब्धि से पीड़िता ने राहत की सांस ली और अधिकारियों का आभार जताया। मामला थाना साइबर क्राइम प्रयागराज पर दर्ज मुकदमा संख्या 34/2024 का है। इसमें वादिनी से किसी अज्ञात शख्स ने ऑनलाइन क्रिप्टो करेंसी में निवेश का लालच देकर 27 लाख रुपये की ठगी कर ली थी। मुकदमा धारा 319(2)/318(4) एवं 66(सी)/66(डी) आईटी एक्ट के अंतर्गत दर्ज किया गया। पुलिस आयुक्त व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त गंगानगर/नोडल साइबर के पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस आयुक्त (क्राइम) के नेतृत्व में साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। टीम ने विभिन्न बैंकों और ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफार्म से लगातार संपर्क साधा। अथक प्रयासों के बाद पुलिस 12 लाख रुपये को ट्रैक कर पाने और उसे होल्ड कराने में सफल रही। यह राशि 1 सितंबर 2025 को वादिनी के खाते में सुरक्षित वापस कराई गई। पैसे वापस मिलने के बाद पीड़िता कार्यालय पहुंची और उच्च अधिकारियों व पूरी पुलिस टीम को धन्यवाद पत्र सौंपते हुए सराहना की। उसने कहा कि पुलिस की मेहनत और तत्परता के कारण उसे बड़ी राहत मिली है।

गोमती नदी में मिला नवविवाहिता का शव

ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, बाजार शुकुल थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता की गोमती नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतका की पहचान मकदूमपुर कला गांव की 20 वर्षीय आस्था निषाद के रूप में हुई है। घटना मकदूमपुर कला गांव के तिवारी पुरवा स्थित गोमती नदी की है। आस्था सुबह शौच के लिए नदी की तरफ गई थी। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर ग्रामीणों ने खोजबीन शुरू की। डायल 112 को सूचना दी गई। ग्राम प्रधान परमजीत निषाद और गोताखोरों ने तलाश अभियान चलाया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आस्था का शव नदी से बरामद किया गया। मृतका की बहन ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि आस्था का प्रेम विवाह हुआ था। ससुराल पक्ष उसे परिवार से मिलने नहीं देता था और प्रताड़ित करता था। इसी कारण उसने

नदी में कूदकर जान दे दी। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं बाजार शुकुल थाना प्रभारी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में विधिक कार्यवाही की जाएगी।

बिहार में पीएम मोदी की मां पर टिप्पणी का मामला

सुल्तानपुर में भाजपा महिला मोर्चा का विरोध प्रदर्शन, जिलाध्यक्ष बोले-जनता देगी जवाब

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, बिहार के दरभंगा में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां पर की गई टिप्पणी का विरोध तेज हो गया है। सुल्तानपुर में भाजपा महिला मोर्चा ने इसके खिलाफ प्रदर्शन किया। मोर्चा की पदाधिकारी और कार्यकताओं ने तिकोनिया पार्क से कलेक्ट्रेट गेट तक मार्च निकाला। काशी क्षेत्र महिला मोर्चा की महामंत्री बबिता तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के मंच से की गई टिप्पणी देश की सभी माताओं का अपमान है। भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने कहा कि पीएम की मां के लिए की गई टिप्पणी निंदनीय है।

महिला आयोग की पूर्व सदस्य सुमन सिंह ने इसे देश को शर्मसार करने वाला बताया। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा निषाद ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा, जगजीत सिंह छंगू, डॉ प्रीति प्रकाश, रागिनी मिश्रा, जया सिंह समेत कई भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने राहुल गांधी से माफी की मांग की और विरोध में नारेबाजी की।

पीएम की माता पर टिप्पणी का विरोध

अमेठी में भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन, राहुल से मांगी सार्वजनिक माफी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी तहसील, भाजपा महिला मोर्चा ने राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता पर की गई कथित टिप्पणी का विरोध किया। सोमवार को महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष आशा बाजपेई के नेतृत्व में कार्यकताओं ने अमेठी चौक से रेलवे स्टेशन तक जुलूस निकाला। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष आशा बाजपेई ने कहा कि प्रधानमंत्री का अपमान स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री के साथ देश की मातृशक्ति का भी अपमान किया है। बाजपेई ने किसी भी नारी के अपमान को देशद्रोह के समान बताया। प्रदर्शन में कार्यकताओं ने राहुल गांधी से सार्वजनिक माफी की मांग की। कार्यकताओं ने कांग्रेस पार्टी के विरोध में नारेबाजी भी की। इस दौरान भाजपा अमेठी मंडल के पूर्व अध्यक्ष अजय तिवारी, वरिष्ठ नेता राकेश पाण्डेय और सदाशिव पाण्डेय सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

विद्यालयों में चला स्वाभिमान अभियान

अमेठी में शिक्षक और छात्रों ने लिए 5 संकल्प, स्कूल को तीर्थ मानने की शपथ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की पहल पर 'हमारा विद्यालय, हमारा स्वाभिमान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में परिषदीय, सहायता प्राप्त और माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों के शिक्षक और छात्र शामिल हुए। कार्यक्रम में शिक्षकों और छात्रों ने पांच महत्वपूर्ण संकल्प लिए। इनमें विद्यालयों को स्वच्छ और हरित बनाना, संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना और बिना भेदभाव के शिक्षण कार्य करना शामिल है। साथ ही, शिक्षा को केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और समाज सेवा का साधन मानने का संकल्प भी लिया गया। सभी प्रतिभागियों ने विद्यालय को सेवा-समर्पण का तीर्थ

मानते हुए उसका गौरव बढ़ाने की शपथ ली। जनपद के शिक्षक, शिक्षिकाएं, शिक्षामित्र और अनुदेशक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम की तस्वीरें और वीडियो भी साझा किए। इस पहल से न केवल शिक्षकों और विद्यार्थियों में, बल्कि समाज में भी विद्यालयों के प्रति स्वाभिमान और जिम्मेदारी की भावना जागृत हुई। अभिभावकों और समाज के लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की। यह कार्यक्रम आने वाले समय में शिक्षक हित में सकारात्मक प्रभाव दिखाएगा।

बाबा साहेब की प्रतिमा टूटी, हंगामा

तेज हवा के कारण प्रतिमा पर गिरा पांडाल, लोगों ने अराजक तत्वों पर लगाया गड़बड़ी का आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, बन्नादेवी थाना क्षेत्र के सराय लवरिया में सोमवार को बाबा साहेब की प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई। जब लोगों को प्रतिमा टूटने की जानकारी हुई तो उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया और अराजक तत्वों पर आरोप लगाया कि उन्होंने जानबूझकर बाबा साहेब की प्रतिमा को तोड़ा है। वहीं लोगों के हंगामे की सूचना मिलने पर सीओ कमलेश कुमार, बन्नादेवी थाना प्रभारी शिव प्रसाद और सहायक नगर आयुक्त मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों से बातचीत की और उन्हें समझाया। काफी देर बातचीत होने और अधिकारियों के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए। सराय लवरिया में बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापित है। यहीं पर

गणेश उत्सव भी चल रहा है, जहां पर भगवान गणेश की प्रतिमा को स्थापित किया गया है। जिसका पांडाल लगाया गया है। जब तेज हवा और बारिश शुरू हुई तो इसके कारण पांडाल गिर गया। पांडाल के लोहे के एंगल जब बाबा साहेब की प्रतिमा पर गिरे तो प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई। इसी से नाराज होकर लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने जब मामले की जांच की तो प्रारंभिक जांच में पांडाल गिरने के कारण ही प्रतिमा क्षतिग्रस्त होना पाया गया। लोग लगातार हंगामा कर रहे थे, जिसके बाद सहायक नगर आयुक्त और सीओ ने लोगों को आश्वासन दिया है कि क्षतिग्रस्त प्रतिमा के स्थान पर नई प्रतिमा लगवाई जाएगी। काफी देर मान मनौव्वल के बाद जब अधिकारियों ने नई प्रतिमा लगवाने की बात कही, जब जाकर लोग शांत हुए और मामला खत्म हुआ। सीओ कमलेश कुमार ने बताया कि बाबा साहेब की प्रतिमा खंडित होने पर लोग हंगामा कर रहे थे। उनसे बातचीत कर उन्हें शांत कराया गया है और नई प्रतिमा स्थापित कराई जाएगी। पांडाल गिरने के कारण यह हादसा हुआ था। फिर भी मामले की जांच कराई जा रही है और अगर इसमें कोई दोषी मिलता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फोटोग्राफर ने की आत्महत्या, लिखा सुसाइड नोट

प्रेमिका और परिजनों को ठहराया जिम्मेदार, पिता ने पुलिस पर लगाए आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल पर पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें युवक ने अपनी मौत के लिए प्रेमिका और उसके माता-पिता को जिम्मेदार ठहराया। साथ ही तीनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह मामला गोविंद नगर थाना के डीग क्षेत्र का है। मथुरा के गोविंद नगर थाना के

डीग के लाला वाली गली मुख्य मार्केट में रहने वाले 26 वर्षीय फोटोग्राफर उदित पोतरा कुंड के पास वीके फिल्म प्रोडक्शन नाम से अपनी दुकान चलाते थे। दो सालों से उनका चौक बाजार क्षेत्र की एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। हाल ही में युवती ने शादी से इनकार कर दिया, जिससे दोनों के बीच विवाद हो गया। युवक के लगातार युवती से संपर्क करने की कोशिशों के बाद युवती ने डीग गेट पुलिस चौकी में 28 अगस्त को युवक के खिलाफ मोबाइल छीनने की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उदित को पकड़ लिया और शांति भंग में कार्रवाई कर दी। शनिवार को पिता महेंद्र सिंह ने उसकी जमानत कराई। लगातार शिकायत और पुलिस कार्रवाई से उदित मानसिक रूप से परेशान हो गया था।

इमाम हसन असकरी की शहादत पर निकला जुलूस

मौलाना बाबर अली ने पढ़ी मजलिस, महफूज सुल्तानपुरी व अंजुमन ने किया नौहा-मातम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, खैराबाद मोहल्ले में इमामबाड़ा बेगम हुसैन अकबर से इमाम हसन असकरी की शहादत पर जुलूस निकला। मजलिस में मौलाना बाबर अली खां ने संबोधित किया। मौलाना ने कहा कि गैब का ज्ञान सिर्फ

अल्लाह और उनके चुने हुए लोगों को होता है। उन्होंने बताया कि सवा लाख नबी, फरिश्तों और इमामों को अल्लाह ने गैब का इल्म दिया था। यहां तक कि उनके पास रहने वाले जानवरों को भी यह ज्ञान था।

बच्चों की शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका जरूरी

अमेठी के परिषदीय स्कूलों में शिक्षक-अभिभावक बैठक, नियमित उपस्थिति पर जोर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, सभी परिषदीय विद्यालयों में शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शिक्षकों ने अभिभावकों से बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजने का आग्रह किया। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से स्कूल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी गई। शिक्षक देवांशु सिंह ने निशुल्क पुस्तक वितरण और डीबीटी के बारे में बताया। अभिभावकों को बच्चों की

कक्षा कार्य और गृह कार्य की कापियां रोज देखने की सलाह दी गई। सहायक अध्यापक संजीव कुमार ने माताओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बच्चों को साफ-सुथरा और तैयार होकर स्कूल भेजना माताओं की जिम्मेदारी है। प्रधानाध्यापक शिव सिंह ने कहा कि बच्चों की अच्छी शिक्षा में अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अभिभावकों से हर सप्ताह स्कूल आकर बच्चों की प्रगति की जानकारी लेने का आग्रह किया। दिव्यांग बच्चों के लिए सरकार की विशेष योजनाओं के बारे में भी बताया गया। कंपोजिट विद्यालय हारीपुर में आयोजित बैठक में शिक्षकों ने बच्चों की शैक्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी